भाद्रपद कृष्ण पक्ष-14, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 90 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
13 सितंबर 2023 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
27 अधिकतम
22 न्यूनतम

Page- 7

दिल्ली में सुबह से कांग्रेस की बैठक, शाम को भाजपा करेगी अपने चेहरों पर विचार, शिवराज दिल्ली जाएंगे

कांग्रेस के दो दर्जन विधायक सर्वे में उलझे भाजपा भी नए चेहरों पर लगाएगी दांव

भोपाल/नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो

मप्र में विधानसभा चुनाव के लिये टिकटों को लेकर घमासान तेज हो रहा है। कांग्रेस ने करीब सौ सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम लगभग तय कर लिये हैं। यह नाम अब केंद्रीय चुनाव समिति को भेजे जाएंगे। इनमें करीब पचास मौजूदा विधायक भी शामिल हैं। वहीं भाजपा की केंद्रीय समिति की शाम को बैठक में मप्र की दूसरी सूची पर मुहर लग सकती है, भाजपा भी कुछ मौजूदा विधायकों की जगह नये चेहरों पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दोपहर बाद फिर दिल्ली रवाना हो रहे हैं।

आज सुबह से कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक का दूसरा दौर शुरू हुआ है। कल भी आधी रात तक हुई बैठक में हारी हुई सीटों पर सहमति के प्रयास बनाए गए थे तथा करीब सौ सीटों पर चर्चा की गई थी। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस में अभी कुछ और दौर की बैठकें होंगी, तभी टिकट तय हो सकेंगे, क्योंकि सभी सीटों पर अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा कराया गया सर्वे भी है तो हाइकमान का आकलन व पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट पर भी विचार हो रहा है। इनमें समन्वय बनाने की कोशिशें हो रही हैं। बताया जाता है कि कांग्रेस की बैठकों में इसी अलग अलग सर्वे के चलते गतिरोध उभरा है। प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवालां ने भी यही संकेत दिये हैं कि उम्मीदवार की जीतने की संभावना, बेहतर चेहरा व जनमत के आधार पर टिकटों का फैसला होगा। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की बैठकों में लगातार हार वाली सीटों के अलावा 50 मौजूदा विधायक के नाम पर चर्चा के बाद करीब सौ नाम ऐसे उभरे हैं जिनकी टिकट तय हो सकती है। सर्वे में करीब 20 वर्तमान विधायकों की स्थिति कमजोर मानी गई है, वहां मजबूत उम्मीदवार को आजमाने को लेकर दुविधा व मतभेद है। कमलनाथ अपने सर्वे को लेकर बहुत आश्वस्त हैं और बैठक में उन्होंने जोर दिया कि इसमें जो नाम आए हैं, उन पर दाव लगाया जा सकता है।

भाजपा आज 60 नामों को देगी मंजूरी

इधर भाजपा के मप्र के नेताओं की बैठकों के बाद केंद्रीय समिति आज दिल्ली में पीएम मोदी की मौजूदगी में टिकटों पर विचार करने बैठ रही है। सूत्रों की मानें तो मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रत्याशियों को लेकर इस बैठक में निर्णायक चर्चा होगी। मप्र के लिये दो दिन पहले दिल्ली में हुई बैठक में करीब 60 नामों को अमित शाह, नड्डा, शिवराज, वीडी के बीच चर्चा में तय किया गया था, इसमें करीब तीस हारी या कमजोर सीटों के लिये नाम हैं। भाजपा इसलिये सतर्क है क्योंकि दो सप्ताह पहले जारी 39 प्रत्याशियों की सूची पर मप्र में घमासान मच गया है, करीब दर्जनभर सीटों पर असंतोष उभरा है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा हाइकमान एंटी इंकम्बेंसी से निपटने के लिये नये चेहरों पर जोर दे रहा है।

सपा नेता सलीम के घर आयकर रेड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के करीबी रहे राज्यसभा के पूर्व सदस्य स्व. चौधरी मुनव्वर सलीम के डंडापुरा स्थित आवास पर आज सुबह आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा है। यहां अब उनका परिवार रहता है। छह वाहनों में सवार होकर पहुंची टीम में इंदौर और भोपाल के अधिकारी शामिल होना बताया जा रहा है। सीएसपी राजेश तिवारी ने इस छापे की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार आवास परिसर में सलीम के बेटों के अलावा उनके दो भाइयों के आवास भी है। आयकर की टीम उनके घर भी पहुंचकर दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस टीम में 30 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी है। आयकर टीम करीब छह घंटे से आवास के भीतर ही है। चौधरी मुनव्वर सलीम का वर्ष 2019 में 66 वर्ष की उम्र में किडनी और लीवर सहित अन्य बीमारियों के चलते उनका निधन हो गया था।

कोटा में अब छात्रा ने जान दी, 25वां मामला

कोटा, एजेंसी। राजस्थान में देश का कोचिंग हब कहे जाने वाले शहर कोटा में छात्रों की आत्महत्या का मामला थम नहीं रहा है। अब ताजा खबर यह है कि नीट की तैयारी कर रही 16 साल की छात्रा ने जान दे दी है। झारखंड के रांची की रहने वाली छात्रा विज्ञान नगर इलाके में रह कर पढ़ाई कर रही थी। अधिकारियों के मुताबिक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या की। उसका कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कोटा में छात्रों की आत्महत्या का इस साल यह 25वां केस है। राजस्थान पुलिस के पिछले आठ महीनों के डाटा से यह खुलासा हुआ है। मतलब हर महीने औसतन तीन छात्रों ने पढ़ाई के दबाव में आकर आत्महत्या की। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। बता दें, हर साल लगभग 2 लाख छात्र संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में की तैयारी करने के लिए कोटा आते हैं।

भीषण सड़क हादसे में 11 लोगों की जान गई

भरतपुर एजेंसी। राजस्थान के भरतपुर आज सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया है। गुजरात के भावनगर से मथुरा-वृंदावन दर्शन को जा रही यात्री बस को एक ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस में सवार 11 लोगों की मौके पर मौत हो गई। 12 अन्य बुरी तरह जख्मी हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। खबरों के मुताबिक बस में कुल 57 यात्री सवार थे। हादसा जयपुर-आगरा हाईवे पर हुआ।

अयोध्या में मिले प्राचीन मंदिर के अवशेष व मूर्तियां

अयोध्या , एजेंसी।

अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए जन्मभूमि स्थल की खुदाई में प्राचीन मंदिर के अवशेष और मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। इसकी जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने ट्वीट पर दी। उन्होंने बताया कि खुदाई में अनेकों मूर्तियां और स्तंभ मिले हैं। ये मूर्तियां और स्तंभ काफी प्राचीन नजर आते हैं। ज्ञात हो कि इन दिनों अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। इसके साथ ही जनवरी 2024 में प्राण प्रतिष्ठा की भी तैयारी है। इसे लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पीथमपुर में केमिकल प्लांट में लगी आग, एक की मौत, तीन घायल

पीथमपुर , एजेंसी।

एक केमिकल प्लांट में आग लगने से चार कर्मचारी झुलस गए, इनमें से एक की मौत हो गई। घायलों को महू के मध्यभारत अस्पताल में भर्ती कराया है। आग सुयोग फार्मा नामक कंपनी में लगी है, यह एस सेक्टर एक थाना क्षेत्र के सेक्टर एक में स्थित है। मृतक का नाम कमलेश पिता पुरुषोत्तम तिवारी है। सुयोग फार्मा नामक कंपनी में दवाई बनाती है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि आज सुबह करीब 9 बजे कंपनी से धुआं उठता दिखाई दिया। आसपास की कंपनी के कर्मचारी आग बुझाने और घायलों को निकालने पहुंचे। प्लांट में सुरक्षा उपकरण नहीं थे। आग बुझाने के लिए भी एक-दो फायर टंकी ही थी।

निपाह वायरस से केरल में दो मौतें

कोझिकोड एजेंसी। केरल राज्य के कोझिकोड जिले में दो लोगों की मौत निपाह वायरल से होने की पुष्टि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कर दी है। दोनों में निपाह वायरस के लक्षण देखे गए थे और जांच के लिए इनके सैंपल पुणे लैंब भेजे गए थे। जांच में इनकी मौत निपाह वायरस से होने की बात सामने आई है। यह वायरस जानवरों से इंसानों में फैलता है, इसे यूनोटिक वायरस भी कहते हैं। चमगादड़, बिल्ली, कुत्ते, घोड़े, बकरी और सूअर से इंसानों में इसके फैलने की आशंका बनी रहती है। यह वायरस सबसे ज्यादा फ्रूट बेट्स में पाया जाता है। संक्रमित जानवर की लार, पेशाब, मल और खून के संपर्क में आने से यह इंसानों में फैलता है।

संदिग्ध बैग लेकर दिल्ली आए चीन के नेताओं अफसरों ने किया ड्रामा

नई दिल्ली , एजेंसी।

नौ और दस सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन में चीन से जुड़ी एक जानकारी अब सामने आई है। इसमें कहा गया है कि इनमें चीन का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होने पहुंचा था। इन नेताओं के रुकने से लेकर खाने-पीने तक के लिए तैयारियां की गई थीं। मगर दिल्ली के जिस पांच सितारा होटल में चीनी प्रतिनिधिमंडल रुका था, उसे स्थिति संभालने में कई परेशानी हो रही थी। क्योंकि वहां एक के बाद एक कई अजीब घटनाएं घट रही थीं।

दरअसल समिट के लिए चीन के प्रतिनिधिमंडल को ताज पैलेस होटल में ठहराया गया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन के प्रतिनिधियों के पास एक अजीब से आकार का बैग था। जैसे ही यह लोग होटल पहुंचे तो सुरक्षा कर्मचारियों की नजर उस पर टिक गई। फिर भी डिप्लोमेटिक प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने बैग को अंदर ले जाने की अनुमति दे दी। हालांकि, थोड़ी देर में होटल के एक कर्मचारी ने बैग के अंदर 'संदिग्ध उपकरण' होने की सूचना दी और इसके बाद 12 घंटे का ड्रामा शुरू हो गया। जल्द ही यह जानकारी अधिकारियों तक पहुंच गई। होटल में तुरंत सक्रियता बढ़ गई। टीम से बैग को स्कैनर से पास कराने को कहा गया, लेकिन चीन का प्रतिनिधिमंडल इस बात पर नहीं माना। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। काफी देर तक अधिकारी प्रतिनिधियों को समझाते रहे, लेकिन वो नहीं माने।

बैग में क्या?: खबरों के मुताबिक सुरक्षा दल उस कमरे के बाहर खड़े थे, जहां संदिग्ध बैग मौजूद था क्योंकि चीनी पक्ष विचार कर रहा था कि बैग के साथ क्या किया जाए। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और 12 घंटे तक ड्रामा चलता रहा। मामला तब शांत हुआ जब उस रहस्यमयी बैग को चीनी दूतावास भेज दिया गया। हालांकि, बैग वापस भेज जाने के कारण यह रहस्य बनकर रह गया कि बैग में क्या था।

मेट्रो एंकर

एशिया में सबसे ज्यादा कमी, नार्थ अमेरिका में दबदबा...

पांच साल बाद घटने लगे अल्ट्रा रिच यानि अरबपति

नई दिल्ली , एजेंसी।

दुनिया में अल्ट्रा रिच यानी अति धनाढ्य लोगों की संख्या में गिरावट आने लगी है। खास बात यह है कि एशिया में ऐसे लोगों की संख्या तेजी से घट रही है। साल 2018 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है। इस लिस्ट में ऐसे लोगों को शामिल किया जाता है जिनकी नेटवर्थ तीन करोड़ डॉलर है।

अब ऐसे लोगों की संख्या 395,070 रह गई है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। साल 2021 की तुलना में ऐसे लोगों की संख्या में 2022 में 5.4 फीसद गिरावट आई है। इस दौरान अल्ट्रा रिच लोगों की कंबाइंड नेटवर्थ भी 5.5 परसेंट घटकर 45.4 ट्रिलियन डॉलर रह गई है। सबसे ज्यादा 11प्रतिशत एशिया के अल्ट्रा रिच लोगों की संख्या में आई है। एशिया में अल्ट्रा रिच लोगों की संख्या 10.9 फीसद गिरकर 108,370 रह गई है। इसी तरह नॉर्थ अमेरिका में अति धनाढ्य लोगों की संख्या में 2021 की तुलना में चार फीसद गिरावट आई है।

दरअसल, दुनिया में अल्ट्रा रिच लोगों के सबसे बड़ी आबादी नॉर्थ अमेरिका में ही है। इसमें अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको जैसे देश शामिल हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा अल्ट्रा रिच अमेरिका में ही हैं। दुनिया के टॉप 10 अमेरिका में नौ अमेरिका के ही हैं। साल 2022 में यूरोप में अल्ट्रा रिच लोगों की आबादी में 7.1 परसेंट की गिरावट आई है और अब यह 100,850 रह गई है।

इन देशों में बढ़े अमीर

दूसरी ओर कई देशों में अल्ट्रा रिच लोगों की संख्या में पिछले साल तेजी आई है। सबसे ज्यादा तेजी लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों में आई है। वहां ऐसे अमीरों की संख्या साल 2022 में 17.5 फीसद बढ़कर 11,560 पहुंच गई है। इसी तरह मिडल ईस्ट के देशों में ऐसे अमीरों की आबादी में 15.7 फीसद की उछाल आई है और यह 21,640 पहुंच गई है। पैसिफिक देशों में अल्ट्रा रिच लोगों की आबादी में 4.6 प्रतिशत गिरावट आई है और वहां ऐसे अमीरों की आबादी 6,640 रह गई है। अफ्रीका में भी अल्ट्रा रिच की आबादी 4.4 प्रतिशत घटकर 3,020 रह गई है।

भारत में 167 'अल्ट्रा रिच'

भारत में इस वक्त लगभग 167 अरबपति हैंजो विश्व में संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर आते हैं। इन 167 अरबपतियों में, मुकेश अंबानी 14 साल से भारत के सबसे धनी व्यक्ति हैं, उनके बाद गौतम अदानी, सायरस पूनावाला और शिव नादार का नंबर आता है। अंबानी की नेट मूल्य 90.8 बिलियन डॉलर है। वे वर्तमान में विश्व के 13 वें सबसे अमीर हैं। हालांकि भारत में हाल के अर्से में जो नए अरबपति सामने आए हैं, उनमें शेयर बाजार के बिगबुल कहे जाने वाले दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला टॉप पर हैं। माना जाता है कि भारत में अमीरों की संख्या कमी नहीं आई है। अकेले मुंबई में ही 66 अरबपति रहते हैं।

तालाबों में व्यावसायिक जल पर्यटन पर एनजीटी की रोक

तालाब के किनारे कैचमेंट वाले क्षेत्र में पक्के निर्माण भी तोड़ने होंगे

बड़े तालाब समेत प्रदेश के किसी भी जलाशय में नही चल सकेंगी मोटर बोट व क्रूज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर का बड़ा तालाब हो या प्रदेश के हनुमंतिया टापू, बरंगी बांध, नर्मदापुरम का तवा जलाशय, कहीं भी मोटर बोट और क्रूज की सवारी नहीं होगी। ऐसा करते पाए जाने वालों पर कार्यवाही की जाएगी। इन तालाबों व जलाशयों के किनारे जितने भी बड़े और पक्के निर्माण होंगे, उन्हें भी तोड़ना होगा। इन जल स्त्रोतों को जल प्रदूषण से बचाने के लिए एनजीटी ने यह आदेश दिया है। साधारण नावों पर किसी तरह की रोक नहीं रहेगी।

असल में बीते कुछ वर्षों से मप्र के तालाबों व जलाशयों में जल पर्यटन को काफी तवज्जों दी जा रही है लेकिन इसके लिए क्रूज व मोटर बोट चलाने का जो तरीका अपनाया जा रहा था उसकी वजह से पानी प्रदूषित हो रहा था। मछलियों दूसरे जीवों के जीवन पर विपरित असर पड़ रहा था। हाल ही में एक रिपोर्ट भी आई थी कि जल प्रदूषण के कारण मछलियों का आकार छोटा होता जा रहा है।

इन तमाम कारणों को देखते हुए पर्यावरणविद **डॉ. सुभाष सी पांडे** ने एनजीटी में एक याचिका लगाई थी। जिस पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए एनजीटी ने आदेश दिया है कि यदि क्रूज एक बड़ी संख्या के मनोरंजन के लिए चलाए जा रहे हैं तो माना जाएगा कि उद्योग चल रहा है। यह व्यावसाय के दायरे में आएगा। जलस्त्रोतों में प्रदूषण नियमों की निगरानी और सहमति के बिना इनका संचालन संभव नहीं है। वर्तमान में बड़े तालाब में जो क्रूज चल रहा है, वो एयर एक्ट 1981, वाटर एक्ट 1974, अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2000, एनवायरमेंट प्रोटेक्शन एक्ट 1986 और वेटलैंड रुल्स 2016 का उल्लंघन है। प्रतिवदियों द्वारा इसमें पर्यावरणीय नियमों पालन संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, इसीलिए इनके द्वारा भोज वेटलैंड सहित मप्र राज्य की सभी वाटर बाडी में मोटर बोट और क्रूज चलाना अवैध है। ऐसे में इन नियमों के उल्लंघन की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

लेकिन एनजीटी ने दिखाया रास्ता

विदेश की तरह फोर स्ट्रोक इंजन वाली बोट चलाना संभव एनजीटी ने आदेश में कहा है कि प्रदेश के वो जलाशय जो वेटलैंड नहीं हैं, ऐसी समस्त वाटर बाडी में फोर स्ट्रोक इंजन की बोट चलाई जा सकती है, जो कि पूर्व से कुछ देश में चल भी रहा है लेकिन यह पर्यावरणीय नियमों के अनुकूल होना चाहिए।

केंद्र सरकार व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जिम्मेदारी तय की

एनजीटी ने अपने आदेश में कहा है कि वेटलैंड नियमों का पालन कराने के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गाइडलाइन बनाएं। मध्यप्रदेश वन विभाग और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कहा है कि रिजर्व फारेस्ट, नेशनल पार्क व ईकोसेंसटिव जोन के अंदर ऐसी गतिविधियों का संचालन हो रहा हो तो पूरी तरह और सख्ती से बंद कराए। यदि संचालन हो रहा है तो सुनिश्चित किया जाए कि उससे नुकसान न हो। वहीं वेटलैंड नियमों का पालन कराने के लिए एनजीटी ने केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मिलकर एसओपी तैयार करें।

एनजीटी ने यह भी कहा

यह सुनिश्चत करें कि बोट संचालन के समय उसकी फिटनेस, मेंटेनेंस, इससे निकलने वाली आवाज और लीकेज समेत अन्य बारीकियों का परीक्षण प्राथमिकता से करें। साथ ही इनमें चलने वाली बोट में ग्रीन फ्यूल का इस्तेमाल अनिवार्य हो।

सभी मोटर वोट का संचालन तुरंत बंद कर दें। भोज वेटलैंड रामसर साइट है, लेकिन मोटर बोट या क्रूज का संचालन सभी वेटलैंड में प्रतिबंधित होगा। इसके लिए पीसीबी और वन विभाग मौके का परीक्षण कर तीन माह में अपनी रिपोर्ट एनजीटी के रजिस्ट्रार को सौंपेंगे।

डॉक्टर ने सरकारी घर खाली कराने का लगाया आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर की जनसुनवाई में जिला पंचायत रश्मि भार्गव के पति और कांग्रेस नेता अवनीश भार्गव पर एक डाक्टर ने उसका घर खाली कराने के आरोप लगाए हैं। डाक्टर का आरोप है कि उसका घर कांग्रेस नेता के कहने पर एक स्टाफ नर्स के लिए खाली कराया जा रहा है। परेशान डाक्टर ने जनसुनवाई के दौरान आवेदन दिया। कलेक्टर आशीष सिंह ने डाक्टर की शिकायत पर मामले की जांच सीएमएचओ प्रभाकर तिवारी को सौंपी है। इस जनसुनवाई में 128 आवेदकों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर शिकायत की है। जिनकी सुनवाई एडीएम प्रकाश सिंह चौहान ने करते हुए निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

जानकारी के अनुसार दंत चिकित्सक डा. मनोज विश्वकर्मा ने कलेक्टर आशीष सिंह को शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि वह सिविल अस्पताल बैरसिया में पदस्थ हैं डेंटल ओपीडी के साथ ही इमरजेंसी में भी दिन व रात ड्यूटी करते हैं। उन्होंने कोरोना काल में 14-14 घंटे कार्य किया है। इसी वजह से पूर्व बीएमओ डा. किरण वाडिवा ने डाक्टर को ई टाइप क्वार्टर दिया था, जिसकी उन्होंने 15 से 20 हजार रुपये से मरम्मत कराई थी। इसके बाद वर्तमान बीएमओ डा. पुष्पा गुरु ने उनका ई टाइप क्वार्टर खुद के लिए लेकर एफ टाइप क्वार्टर दिया अब इसमें वे पिछले डेढ़ साल से परिवार सहित रह रहे हैं। रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अब कांग्रेस नेता के कहने पर संविदा स्टाफ नर्स मोनी भार्गव के लिए खाली कराया जा रहा है। वहीं कांग्रेस नेता भार्गव का कहना है कि मुझे इस बारे में कुछ पता नहीं है। मेरा इस मामले से कोई लेना-देना तक नहीं है , मैं किसी डाक्टर का घर क्यों खाली करवाऊंगा। मुझे बदनाम करने के लिए यह झूठी शिकायत की गई है, जिसकी मैं जांच करवाऊंगा।

भोपाल। पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, जस्टिस के.जी. बालकृष्णन एवं अन्य अधिकारियों ने आज जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण किया।

लॉयन्स क्लब भोपाल ने शिक्षकों का किया सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भोपाल लायंस क्लब भोपाल की साधारण सभा हुई, जिसमें सभा में जोन चेयर पर्सन लॉयन डॉ. राहुल भारती अधिकृत यात्रा पर आए। सभा की अध्यक्षता अध्यक्ष लॉयन लक्ष्मणदास मंघानी ने की। सभा में शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। डॉ. राहुल भारती ने कहा कि लॉयन्स क्लब भोपाल, भोपाल का सबसे पुराना लगभग 65 साल पुराना क्लब है एवं सेवा के क्षेत्र में भी कई कार्य कर रहा है एवं इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों का भी सम्मान किया। समारोह में मुख्य रूप से पी. डी. जी. लॉयन बी. सी. जैन, लॉयन अनिल बागरू, लॉयन ललित करनानी, लॉयन टी.सी. बच्चानी, पी.सी.बच्चानी, लॉयन हरीओम जडिया लॉयन राजेश मिश्रा, आई.ए.एस. लॉयन अजात शत्रु श्रीवास्तव, आई. ए. एस मौजूद थे। सभा का संचालन लॉयन्स क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिस्ट चेयर पर्सन एवं पी.आर.ओ. लॉयन संजय गुप्ता एडवोकेट ने किया।

प्राकृतिक चिकित्सा का 10 दिवसीय आवासीय शिविर शुरू

प्राकृतिक चिकित्सा में साधक सीख रहे हमेशा स्वस्थ रहने की कला

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रृंखला' के अन्तर्गत दस दिवसीय शिविर मंगलवार से शुरू हुआ। शिविर में विभिन्न स्थानों से कई साधकगण अपक्काहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज आदि से भी लाभान्वित होने की उम्मीद से आए हैं।

शुभारंभ सत्र में डॉ गुलाब राय टेवानी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य है बिना दवा तंदुरूस्ती पाना है। इस दस दिवसीय शिविर में आप अपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें वो सीखेगें। शरीर का शुद्धिकरण होना बहुत ही आवश्यक हैं इसलिए इस शिविर का नाम ही 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर' रखा गया है। इस शिविर में आप ऐसी कला सीखेंगें जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें।

डॉ. गुलाब जी ने सत्र में बताया कि दवाईयों को हमनें अपना आहार बना लिया हैं इसलिए हमें अपने आहार में बदलाव लाना जरूरी हैं, जिससे हमें औषधि लेने की आवश्यकता नहीं हो। हमारा आहार ही हमारी औषधि हैं, इसलिए आहार ऐसा हो जो सुपाच्य, स्वादिष्ट, पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक हो। पक्व आहार से जीवित तो रह सकते है, लेकिन स्वस्थ नहीं हो सकते हैं। अपक्व आहार के सेवन से जीवित व स्वस्थ दोनों रह सकते हैं।

दस दिवसीय रोग निवारण शिविर में प्राकृतिक चिकित्सको एवं व्याख्यान कर्ताओं द्वारा कई अलग-अलग विषयों पर व्याख्यान सत्र होंगे।

राष्ट्रीय सिंधी सेमीनार में संतनगर की भागीदारी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

केन्द्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली तथा सिंधी साहित्य अकादमी, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव में दो दिवसीय राष्ट्रीय सिंधी परिसंवाद का आयोजन किया गया। आजादी के बाद सिंधी साहित्य के विभिन्न विधाओ पर शोध आलेखो पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रारंभ में, केन्द्रीय साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने स्वागत वक्तव्य दिया। पूज्य सिंधी पंचायत, संतनगर के अध्यक्ष साबू रीझवानी ने राष्ट्रीय सिंधी सेमीनार में कहा कि भारत के प्रसिद्ध सिंधी विद्वान लेखकों, शायरों, शिक्षा शास्त्रितयों, शीर्ष साहित्यिकारों ने अपनी सक्रियता से भूमिका निभाई। आजादी के 75 वर्षों में सिंधी भाषा में रचित, विविध विधाओं विषयक शोध आलेखो का पठन कर, अवलोकन कराया तथा साहित्यक तुलनात्मक अभ्यास प्रस्तुत कर, सिंधी साहित्य का मूल्यांकन, विवेचन, शोध, इतिहास एवं साहित्यक धाराओं पर भी चर्चा की गई। साहित्यकार जया जादवानी की अध्यक्षता में नारी चेतना सत्र में, जहां नारी शक्ति पर अजादी के बाद पारिवारिक जिम्मेदारी के बावजूद शिक्षा सर्विस, समाज सेवा आदि निभाते हुए सिंधी साहित्य की कहानी, कविता आदि विधाओं में अनेक उपलब्धियां प्राप्त कर, अपना भरपूर योगदन दिया है।

कार्यक्रम में विनोद आसूदानी, नामदेव ताराचंदानी डॉ जेठो लालवानी, बहन आशा चांद, प्रेम प्रकाश, भगवान निर्दोष, डॉ रोशन गोलानी, डॉ सुरेश बाबलानी, हुंदराज बलवानी, डॉ कमला गोकलानी, मोहन हिमथानी कैलाश शादाब आदि सम्मिलित थे। अपने प्रभावी आलेख में जहां विनोद आसूदानी ने संतनगर के साहित्यकार नारी लच्छवानी, कनयो शेवाणी, कन्हैयालाल मोटवानी, खीमन यू मूलानी, भगवान बाबानी आदि साहित्यिक योगदान को विभिन्न संदर्भ में सराहा, वही अंत में समस्त सत्रो की समीक्षात्मक बिन्दुवार प्रतिवेदन पेश किए।

सेवा सदन में 20 और 21 को फ्री दंत रोग परीक्षण शिविर

हिरदाराम नगर , दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम साहिब जी के 118वें अवतरण दिवस पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में दिनांक 20 और 21 सितम्बर 2023 को निःशुल्क दंत रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा । वरिष्ठ दंत रोग चिकित्सक डॉ. कोमल दासवानी और डॉ. रोशनी ज्ञानचंदानी द्वारा रोगियों के दांतों की जांच एवं परामर्श दिया जायेगा, जो दंत रोगी इन दोनों दिनों में दंत चिकित्सा प्रक्रिया करवाना चाहेंगे तो उन्हें, होने वाले व्यय पर 20 प्रतिशत की रियायत भी दी जायेगी ।

अभियान : लंपी से बचाने गो वंश को लगवाएं वैक्सीन

हिरदाराम नगर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल का गोवंशों में चल रही बीमारी लंपी से बचाने के लिए अभियान चला रही है। जिला सह गोरक्षा प्रमुख संतोष यादव द्वारा जी एवं विभाग प्रचार प्रमुख जीतू कटारिया अन्य सेवा धारियों ने वायरस के वैक्सीन लगवाए। वेटनरी डॉक्टर के द्वारा गोवंशों को चिन्हित कर वैक्सीन लगाई गई। गो पालकों को बताया गया कि गोवंशों को ये वैक्सीन नहीं लगवाना जरूरी है।

मेट्रो एंकर

संस्कार विद्यालय के शिक्षक आदर भाव से हुए सम्मानित

'शिक्षकों में कर्तव्य बोध की भावना होना चाहिए'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विंग कमांडर यू. के. चौधरी, विशेष अतिथि रवि शिंगवेकर, कर्नल नारायण पारावानी थे। अध्यक्षता मप्र आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी थे।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने संतजी एवं सर्वपल्ली राधाकृष्णन की मूर्ति पर दीप प्रज्ज्वलन एवं मार्ल्यापण कर किया गया। विद्यार्थियों ने सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का तिलक लगाकर एवं उनकी आरती उतार कर उनकी वन्दना की।

संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने अतिथियों का परिचय और संस्था की प्रगति का ब्योरा दिया। विंग कमांडर यू. के. चौधरी ने कहा कि आज लड़कें ही नहीं लड़कियाँ भी हर क्षेत्र में आगे ब? रही हैं क्योंकि वह अपने साहस एवं शक्ति का प्रदर्शन करके हर क्षेत्र को जीत रही हैं। वासवानी ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों का निर्माण करके उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाता है, भारत का भविष्य बनाता है। शिक्षक की सेवाएं हमेशा वंदनीय होती हैं। रवि शिंगवेकर, कर्लन नारायण पारवानी ने कहा कि शिक्षक फरिश्तें के समान होता हैं, जिसे ज्ञान देने का काम सौपा जाता है, हमारे देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी शिक्षा पद्धति कैसी है।

भागवताचार्य अमरीश गोस्वामी जी ने कहा कि सनातन परंपरा में जो शिक्षक दर्जा है, उससे बड़ा किसी का भी दर्जा नहीं है। हर व्यक्ति के जीवन में गुरू का विशेष महत्व होता है, सड़क एवं गुरू कहीं नहीं जाते है, लेकिन यात्री को उनके गंतव्य तक पहुंचाते है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, उप-प्राचार्या मीनल नरयानी, प्राधानाचार्या मृदुला गौतम, समस्त शिक्षक समुदाय एवं विद्यार्थिगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका प्रिया थानवानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के लेखा परिक्षक पुरूषोत्तम टिलवानी ने आभार व्यक्त किया।

उपभोक्ता आयोग से उपभोक्ता को मिली राहत

बिजली कंपनी ने थमाया था मनमर्जी बिल अब देने होंगे मानसिक क्षतिपूर्ति के 50 हजार रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मनमर्जी बिल थमाने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने एक उपभोक्ता को बड़ी राहत देते हुए बिजली कंपनी को निर्देश दिए हैं कि वह उपभोक्ता को बिल के संबंध में जारी अंतिम निर्धारण आदेश को निरस्त किया जाए। यदि उपभोक्ता ने कोई राशि जमा की है, तो उसे उसका समायोजन आगामी बिलों में करें। इसके साथ ही उपभोक्ता को 50 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति राशि और 5 हजार रुपया वाद व्यय के दिए जाएं। यह निर्णय जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल व सदस्य प्रतिभा पांडे की बेंच ने सुनाया।

आयोग ने दिए निर्देश: बिल के आदेश निरस्त करने के साथ वाद व्यय के 5 हजार भी दिए जाए

2013 में लगाया था आवेदन

दरअसल, ईदगाह हिल्स निवासी आशा देवी ने बिजली कंपनी के कार्यपालन यंत्री और प्रबंधक के खिलाफ 2013 में उपभोक्ता आयोग में शिकायत की थी। उपभोक्ता ने शिकायत की थी कि बिजली कंपनी ने विद्युत मीटर में खराबी बताकर मीटर का परीक्षण लैब में कराने का कहकर पंचनामा बनाकर मीटर निकाल कर ले गए। साथ ही मीटर रीडिंग कर 3 लाख 18 हजार 915 रुपये का बिल कंपनी की ओर से थमा दिया। कंपनी ने चेतावनी दी कि राशि तुरंत लमा कर दें, नहीं तो कनेक्शन काट दिया जाएगा। कुछ दिन बाद कनेक्शन काट भी दिया गया।

बिजली कंपनी साबित नहीं कर पाई मीटर से हुई है छेड़छाड़

मामले में विद्युत कंपनी यह साबित नहीं कर पाई कि उपभोक्ता के मीटर में कोई छेड़छाड़ की गई थी। सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि एमआरआई रिपोर्ट के आधार पर उपभोक्ता के मीटर में कोई छेड़छाड़ नहीं होने के बाद भी विद्युत कंपनी द्वारा असत्य आधार पर मीटर के साथ छेड़छाड़ किए जाने के आधार पर परिवादी को 3 लाख 18 हजार 915 रूपए का बिल अवैद्यानिक रूप से जारी किया गया। जो कि सेवा में कमी एवं अनुचित व्यापार प्रभा की श्रेणी में आता है। मामले में आयोग के समक्ष उपभोक्ता द्वारा विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम न्यायालय भोपाल के आदेश की प्रति भी प्रस्तुत की गई। जिसमें दोनो पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का विस्तत मूल्यांकन करते हुए विशेष न्यायालय के द्वारा परिवादी को मीटर से कोई छेड़छाड़ किया जाना प्रमाणित नहीं पाए जाने पर परिवादीगण को दोषमुक्त किया गया है।

खुलेआम नियमों को रखा जा रहा ताक पर

दस-दस साल से मप्र पाठ्य पुस्तक निगम में जमे हैं प्राचार्य-व्याख्याता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग के कई स्कूल ऐसे हैं, जहां अभी भी शिक्षकों की कमी है। कुछ स्कूलों में प्रभारी प्राचार्य से काम चलाया जा रहा है। इसके बाद भी कुछ शिक्षक, प्राचार्य और व्याख्याता 10-10 साल से मप्र पाठ्य पुस्तक निगम में जमे हैं। जब से इन्हे प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है, यह वापस स्कूल नहीं आए हैं। जबकि सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों की मानें तो प्रतिनियुक्ति की अधिकतम समय-सीमा चार साल रहती है। ऐसे में नियमों को खुलेआम ताक पर रखकर ये लोग निगम में जमे हुए हैं। इन्हें मूल विभाग में वापस नहीं भेजा जा रहा है।

जहां जरूरत वहां नहीं: विभागीय सूत्रों की माने तो जो शिक्षक और प्राचार्य प्रतिनियुक्ति पर हैं, वे अनुभवी बताए जा रहे हैं। जिनके अनुभव की जरूरत वर्तमान में नई शिक्षा नीति को देखते हुए बहुत ज्यादा है। इसके बाद भी इनसे जो काम करवाया जा रहा है वह तो कोई वेतन पाने वाले कर्मचारी से भी लिया सकता है, जबकि शिक्षकों और व्याख्याताओं का वेतन बहुत अधिक रहता है। ऐसे में निगम पर वित्तीय भार भी पड़ रहा है। शिक्षा विभाग के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि मप्र सामान्य प्रशासन विभाग के साफ निर्देश हैं कि कोई भी प्रतिनियुक्ति पर तीन साल से ज्यादा नहीं रह सकता है, इसे अधिकतम एक साल और बढ़ाया जा सकता है।

कांग्रेस ने लगाया फर्जी कॉलेज संचालित होने का आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने ''एमपी में का बा.. के बाद अब मप्र को अजब-गजब'' सर्कस बताते हुये कहा कि मप्र के मुरैना जिले की तहसील सबलगढ़ के ग्राम-झुंडपुरा में वर्ष 2011 से लगातार जीवाजी विश्व विद्यालय, ग्वालियर के अंतर्गत एक शिवशक्ति महाविद्यालय मात्र कागजों पर संचालित हो रहा है! क्या प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव यह बताने की स्थिति में हैं कि यह कॉलेज कहां पर काबिज है?

आरोप को स्पष्ट करते हुये मिश्रा ने कहा कि प्रदेश के एक कबीना मंत्री के अग्रज जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के तत्कालीन कुलसचिव डॉ. आनंद मिश्रा के कार्यकाल में इस कॉलेज की शुरूआत हुई थी। इनके ही कार्यकाल में यह फर्जी महाविद्यालय आज भी कागजों पर संचालित हो रहा है, जिसमें नियमों-कानूनों को धता बताकर पहले ही वर्ष बीसीए, बीए, बीएससी, बीकाम में कुल 830 छात्रों के प्रवेश की अनुमति दे दी गई! झुंडपुरा गांव के जन्म से लेकर आज तक कभी भी यहां उच्च शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं रही। यहां संबद्धता के निरीक्षण, छात्रों के प्रवेश स्कालरशिप सब कुछ फर्जी है। मिश्रा ने कहा कि सवाल यह उठता है कि जब कुछ है ही नहीं तब जीवाजी विश्व विद्यालय के प्रोफेसर 12 साल से कहां और कौन सा निरीक्षण करने जाते रहे हैं? बाकायदा उनके निरीक्षण की रिपोर्ट भी विश्व विद्यालय में जमा करायी जाती रही है, विश्व विद्यालय के परीक्षा प्रश्न पत्र, काफी, अंकसूची किस पते पर जा रही है?

एमसीयू का दीक्षांत समारोह 15 को

भोपाल, दोपहर मेट्रो। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) का दीक्षांत समारोह 15 सितम्बर को होगा। इसमें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके पहले तृतीय दीक्षांत समारोह साल 2018 में आयोजित हुआ था। इस दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए छात्र-छात्राओं तक 6 सितम्बर तक आवेदन करना था। बताया गया कि समारोह में जून 2018 से दिसंबर-जनवरी 2023 तक पास हुए मास्टर्स के विद्यार्थियों के लिए डिग्री दी जाएगी। कोविड संक्रमण काल के बाद पत्रकारिता विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह हो रहा है।

विशेष शिविरों का आयोजन 17 को होगा

19 जिलों के दिव्यांगों व वरिष्ठजन को मिलेंगे 9 करोड़ के सहायक उपकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के 19 जिलों के 8277 दिव्यांग और वरिष्ठजन को 9 करोड़ 53 लाख रूपये के सहायक उपकरण देने का फैसला हुआ है। इससे हितग्राहियों का जीवन आसान हो जायेगा। इन जिलों का चुनाव केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने एडिप (स्कीम ऑफ असिस्टेंस टू डिसेबल्ड पर्सन फॉर परचेज/फिटिंग ऑफ एडस एण्ड एपलॉइनसेस) और राष्ट्रीय वयोश्री योजना में किया है। जानकारी के मुताबिक अब आगामी 17 सितम्बर को अशोकनगर, टीकमगढ़, शिवपुरी, इंदौर, खंडवा, उमरिया, कटनी, नर्मदापुरम, गुना, निवाडी, नीमच, डिण्डौरी, अलीराजपुर, विदिशा, मंडला, सीधी, छतरपुर, श्योपुर और भोपाल में दिव्यांग और वरिष्ठजनों को सहायक उपकरणों का वितरण किया जायेगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री मसिंह पटेल ने बताया कि केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 17 सितम्बर को 19 जिलों में

दिव्यांगजन और वरिष्ठजनों के लिए शिविरों लगेंगे। इनमें भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सहायक उपकरणों का वितरण किया जायेगा। अर्जुन पोर्टल के माध्यम से होने वाले वितरण कैम्प में सहायक उपकरणों की प्रविष्टि स्पर्श पोर्टल पर कराई जायेगी। उपकरण मिलने से इनका जीवन असान हो जायेगा।

चयनित 19 जिले

13 हजार, शिवपुरी में 716 को एक करोड़ 24 लाख 89 हजार, इंदौर में 318 को 11 लाख 18 हजार, खंडवा में 374 को 18 लाख 60 हजार, उमरिया में 333 को 31 लाख 81 हजार, कटनी में 609 को 66 लाख 30 हजार, नर्मदापुरम में 918 हितग्राहियों को 84 लाख 5 हजार रूपये लागत के सहायक उपकरणों का वितरण होगा।

गुना में 300 हितग्राहियों को 40 लाख, निवाडी में 332 को 51 लाख 62 हजार, नीमच में 194 को 36 लाख 11 हजार, डिंडौरी में 405 को 33 लाख 13 हजार, अलीराजपुर में 253 को 45 लाख 50 हजार, विदिशा में 269 को 41 लाख 80 हजार, मंडला में 536 को 62 लाख 47 हजार, सीधी में 355 को 51 लाख 19 हजार, छतरपुर में 306 को 15 लाख 46 हजार, श्योपुर में 217 को 51 लाख 6 हजार और भोपाल में 250 हितग्राहियों को 25 लाख के उपकरण वितरित किये जायेंगे।

किसानों ने तीन बार रोकी नीलामी

10 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से कपास खरीदा की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने कपास उत्पादक किसानों से 10 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर पर कपास खरीदी की मांग की है। उल्लेखनीय है कि कल खरगोन कपास मण्डी में मुहुत खरीदी में कपास का सही भाव नहीं मिलने पर किसानों ने तीन बार नीलामी को रोककर मण्डी कार्यालय का घेराव कर 2 घंटे तक मण्डी के मुख्य द्वार को बंद कर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के खिलाफ नारेबाजी की थी। यादव ने बताया कि कपास का कम भाव मिलने से उसकी लागत भी नहीं निकल पा रही है। मंहगे बीज, दवाईयों और मजदूरी की बढती दर से कपास उत्पादक किसान अपना यह खर्च नहीं निकाल पाने के कारण कर्ज के बोझ तले दबा है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम ने भी कपास उत्पादकों को निराश किया है। ऐसे में कपास के कम दाम मिलने से किसानों का आक्रोश स्वभाविक है।

इंदौर या भोपाल में होगी स्थापना

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की हरी झंडी, मप्र में खुलेगा पहला सहकारिता विवि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना को हरी झंडी मिल गई है। भोपाल या इंदौर में विश्वविद्यालय की स्थापना संभव है। इस प्रस्ताव पर केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सैद्धातिक स्वीकृति दी है। इसमें सहकारिता क्षेत्र के अनेक विषयों के पाठ्यक्रमों पढ़ाए जाएंगे और अनुसंधान भी होगा। मप्र के सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया ने भोपाल में वृहद हस्तशिल्प क्लस्टर विकास परियोजना के शुभारंभ कार्यक्रम में

यह खुलासा किया। भदौरिया ने बताया कि पिछले दिनों दिल्ली में केंद्रीय सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। इसमें सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर प्रस्ताव रखा गया, जिसे उन्होंने सैंद्धतिक स्वीकृति दे दी। देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूती देने के लिए केंद्र सरकार ने सहकारिता मंत्रालय बनाया गया है। मौजूदा वक्त में भी राज्य सरकार भी अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता आंदोलन से जोड़कर उन्हें लाभांवित करने की दिशा में काम कर रही है। कार्यक्रम में उन्होंने सहकारी प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर के नवीन भवन, सहकारी प्रशिक्षण केंद्र भोपाल, इंदौर और नौगांव में सामान्य सुविधा केंद्र का वर्चुअली भूमिपूजन और शिलान्यास किया।

मेट्रो एंकर

नियमित करने की तैयारी में सरकार

मंत्री स्थापना कर्मचारियों को नियमित करने 17 सितं.को परीक्षा लेगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य मंत्रालय में मंत्री स्थापना में लंबे समय से काम कर रहे अस्थाई कर्मचारियों को अब सरकार नियमित करने की तैयारी में है। इसके लिए कई मंत्री काफी समय से प्रयासरत थे। उन्होंने सामान्य प्रशासन मंत्री राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार को नोटशीट लिखकर कर्मचारियों के अनुभव को देखते हुए मंत्रालय में चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर नियमित करने की अनुशंसा की थी। मंत्रालय कर्मचारी संघ ने भी ज्ञापन दिया था। अब इस आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने अधीक्षण

शाखा अंतर्गत भृत्य के 143 रिक्त पदों के विरुद्ध नियमितीकरण के लिए 17 सितंबर को परीक्षा आयोजित की है।मंत्री की निजी स्थापना में कार्यरत कर्मचारियों में अधिकतर जमादार, भृत्य और चौकीदार हैं। कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे तरुण भनोत, पीसी शर्मा और लाखन सिंह यादव ने सामान्य प्रशासन विभाग को नोटशीट लिखकर मंत्री की निजी स्थापना में पदस्थ कर्मचारियों को नियमित करने की अनुशंसा की थी शिवराज सरकार में मंत्री गोपाल भार्गव, डा. नरोत्तम मिश्रा, जगदीश देवड़ा, तुलसीराम सिलावट, मीना सिंह, गोविंद सिंह राजपूत, डा. प्रभुराम चौधरी, सुरेश धाकड़ और रामकिशोर कांवरे ने कर्मचारियों के अनुभव का हवाला देते हुए रिक्त पदों के विरुद्ध नियमित करने की अनुशंसा की। उल्लेखनीय है कि मंत्री स्थापना में काफी संख्या में कर्मचारी बरसों से काम कर रहे हैं। इनके लिये हाल में कर्मचारी संगठनों ने भी आवाज उठाई थी।

सुविचार

``ऊँचाई पर वही पहुँचते है, जो बदला नहीं बदलाव लाने की सोच रखते है।''

-अज्ञात

संपादकीय

भ्रष्टाचार के मामले और मतभेद

चुनाव के करीब आते ही अब सरकार की हर कार्रवाई को सियासी नजरिये से देखा जाएगा। क्योंकि विपक्ष शुरू से ही यह आरोप लगाता आ रहा है कि सरकारी एजेंसियों का केंद्र द्वारा दुरूपयोग किया जा रहा है। वैसे तो किसी अनियमितता के मामले में किसी बढ़े पदाधिकारी या नेता के खिलाफ कार्रवाई होती है, तो भरोसा बनता है कि इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। मगर कुछ वर्षों से भ्रष्टाचार के मामलों में राजनेताओं की गिरफ्तारियों को प्रायः सियासी रंग मिल गया है। इस पर पक्ष और विपक्ष के दल परस्पर बंटे नजर आते हैं। जाहिर है, इससे भ्रष्टाचार को लेकर आम लोगों में भ्रम फैलता है और इस तरह इसके खिलाफ कोई भरोसेमंद लड़ाई आगे नहीं बढ़ पाती। ताजा मामला अब आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर है इस मामले में भी ऐसा ही माहौल बन गया है। विपक्षी पार्टियां सत्तारूढ़ दल पर बदले की भावना से काम करने का आरोप लगा रही हैं। बताया जा रहा है कि चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास घोटाले के आरोप में वहां की सीआइडी की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। करीब सात साल पहले चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री रहते बेरोजगार युवाओं में कौशल विकास के लिए एक योजना शुरू की थी, जिसके लिए तीन हजार तीन सौ करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की गई। यह काम एक निजी कंपनी को दिया गया, जिसे इसमें पैसे लगाने थे और कुल लागत का केवल दस फीसद राज्य सरकार को खर्च करना था। मगर कंपनी ने पैसे नहीं लगाए और सरकार ने फर्जी कंपनियों को करीब ढाई सौ करोड़ रुपए दे दिए। हालांकि करीब दो साल पहले सीबीआइ ने इस मामले की जांच की थी, जिसमें पच्चीस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उसमें चंद्रबाबू नायडू का नाम नहीं था। मगर इस साल मार्च में इस मामले की जांच जब सीआइडी को सौंप दी गई तो उसने अपनी छानबीन में पाया कि इसमें गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और उनमें खुद चंद्रबाबू नायडू शामिल हैं। चूंकि सीआइडी राज्य सरकार के अधीन काम करती है, इसलिए विपक्षी दलों के लिए यह आरोप लगाना आसान हो गया है कि उसने राज्य सरकार के इशारे पर यह कार्रवाई की है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से चंद्रबाबू नायडू जगनमोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ आक्रामक विरोध कर रहे थे, इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि इसका बदला लेने की नीयत से राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। इस तरह कथित कौशल विकास घोटाला भी राजनीति की भेंट चढ़ रहा है। यह पहला मामला नहीं है, जब भ्रष्टाचार के खिलाफ हुई किसी कार्रवाई को सत्तापक्ष की बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता कर हकीकत पर परदा डालने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली में शराब घोटाला और महाराष्ट्र में भूमि खरीद घोटाला, पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला आदि में हुई राजनेताओं की गिरफ्तारियों और सीबीआइ, प्रवर्तन निदेशालय आदि जांच एजंसियों की अनेक नेताओं से पूछताछ को लेकर भी इसी तरह की सियासी सरगर्मी दिखती रही है। बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारें जांच एजंसियों का अपने सियासी नफे-नुकसान की दृष्टि से उपयोग करती रही हैं। बहुत सारे मामलों में यह प्रतीत भी होता है। मगर हर मामले को सियासी कदम कह कर खारिज कर देने से लोगों में भ्रष्टाचार उन्मूलन को लेकर भरोसा कमजोर भी होता है। लिहाजा भ्रष्टाचार को खत्म करने के सरकार के इरादों और एजेंसियों की कार्रवाईयों को लेकर आम लोगों और विपक्ष के बीच कोई भरोसा खड़ा करना ही होगा। इसकी टाइमिंग और अन्य पहलुओं पर भी संतुलन की कोई लकीर खीचना होगी।

निशाना

रहे ये बनता नाम !

-कृष्णेन्द्र राय

है रचना इतिहास।
हो रहा हर काम ।।
है यह स्वर्णिम काल।
रहे ये बनता नाम ।।
गढ़ना कीर्तिमान है।
मिल रहा सहयोग ।।
दिल से है प्रयास।
बन रहा भी योग ।।
तरह तरह के रोज।
करना नया प्रयोग ।।
है छलांग लगानी।
ऐसा ही उपयोग ।।
दुनिया है टिकाए।
नज़रें इस प्रकार ।।
है ऐसा प्रतीत।
बदला भी व्यवहार ।।

आज का इतिहास

- 1791 – फ्रांस के राजा लुई14वें ने नया संविधान अंगीकार किया।
- 1882 – एंग्लो-मिस्र युद्धः तेल अल केबिर की लड़ाई लड़ी गई।
- 1914 – प्रथम विश्व युद्धः जर्मनी और फ्रांस के बीच एस्ने की लड़ाई शुरू हुई।
- 1922 – पोलैंड की संसद ने जिडायनिया बंदरगाह निर्माण अधिनियम पारित कर दिया गया।
- 1923 – स्पेन में सैन्य तख्ता पलट। मिगेल डे प्रिमो रिवेरा ने सत्ता संभाली और तानाशाह सरकार की स्थापना की। ट्रेड यूनियनों को 10 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया।
- 1947 – प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने 40 लाख हिंदुओं और मुसलमानों के पारस्परिक स्थानांतरण का सुझाव दिया।
- 1948– उप प्रधानमंत्री वल्लभ भाई पटेल ने सेना को हैदराबाद में घुस कर कार्रवाई करने और उसे भारतीय संघ के साथ एकीकृत करने का आदेश दिया।
- 1968 – अल्बानिया वारसॉ संधि से अलग हुआ।
- 2000 – भारत के विश्वनाथन आनन्द ने शेनयांन में पहला फिडे शतरंज विश्व कप जीता।
- 2001 – ओसामा बिन लादेन को पकड़ने हेतु अमेरिका द्वारा पाकिस्तान पर दबाव डाला गया।
- 2005 – सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता हेतु समर्थन देने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने मानकों की घोषणा की।
- 2006 – इब्सा (भारत-ब्राजील-साउथ अफ्रीका त्रिगुटीय संगठन) का पहला शिखर सम्मेलन ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में शुरू।
- 2007 – नेशनल एरोनॉटिक्स स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के वैज्ञानिकों ने बृहस्पति से तीन गुना बड़े गृह का पता लगाया। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने प्रधानमंत्री मिखाइल फ़ेदकोव के आग्रह को स्वीकार करते हुए केन्द्रीय कैबिनेट को भंग किया।

घोसी के नतीजे को क्यों 1974 के जबलपुर से जोड़ा जा रहा है?

सुदीप ठाकुर

दरअसल, नवगठित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की 1977 के जनता प्रयोग से तुलना किए जाने की एक बड़ी वजह यह भी है कि यह गठबंधन भी नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली एक ऐसी सत्ता के विरोध में है, जिसने सांविधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है।

उत्तर प्रदेश के घोसी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के नतीजे को दलीय आधार पर देखें, तो इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह सीट पहले भी सपा के पास थी और इस बार भी सपा उम्मीदवार ने यह सीट जीती है। खासतौर से हिन्दी पट्टी के प्रमुख अख़बारों को देखें, तो यह नतीजा ऐसा ही दिखता है। परंतु यह आधा सच है। अब इस पर खासी चर्चा हो चुकी है कि इस उपचुनाव में सपा उम्मीदवार सुधाकर सिंह की जीत कोई सामान्य जीत नहीं है, बल्कि यह नवगठित विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत है। इसी तरह से कई दलों का सफर कर भाजपा में पहुंचे दारा सिंह चौहान की पराजय को सिर्फ़ एक सामान्य पराजय की तरह नहीं देखा जा रहा है, तो इसकी वजह यही है कि राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार और केंद्र की मोदी सरकार ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था।

घोसी को 2024 के चुनाव के लिए ठीक उसी तरह के प्रस्थान बिंदु की तरह देखा जा रहा है, जिस तरह से 1974-75 में जबलपुर लोकसभा के उपचुनाव में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में शरद यादव ने कांग्रेस उम्मीदवार को पराजित किया था। पर क्या करीब पांच दशक बाद यह तुलना ठीक होगी? निश्चित रूप से तब और अब में खासा बदलाव आ चुका है, फिर भी, नवगठित इंडिया के लिए 1977 के जनता प्रयोग में कई सबक छिपे हुए हैं। वैसे, 1974 के भीषण आंदोलन के दौर में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में शरद यादव की जीत पहली जीत नहीं थी। क्रिस्टॉफ जैफरलेट ने अपनी किताब द हिन्दू नेशनलिस्ट मूवमेंट ऐंड इंडियन पॉलिटिक्स में विस्तार से बताया है कि जबलपुर के उपचुनाव से थोड़ा पहले दिसंबर, 1974 में भोपाल विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में संयुक्त विपक्ष जिसे जनता नाम दिया गया था, के उम्मीदवार बाबूलाल गौर विजयी हुए थे। गौर जनसंघ के सदस्य थे। उसके कुछ दिन बाद 21जनवरी, 1975 को जबलपुर लोकसभा के उपचुनाव के नतीजे आए थे, जिसमें जनता उम्मीदवार शरद यादव ने कांग्रेस के दिग्गज सेठ गोविंददास के निधन से रिक्त हुई सीट पर उनके भतीजे को पराजित किया था।

एक तरह से यह जेपी के जनता पार्टी के प्रयोग की शुरुआत थी। वास्तव में जनता पार्टी का यह प्रयोग कुछ महीने बाद अपनी भ्रूण अवस्था में ही विफल हो सकता था, यदि इंदिरा गांधी ने पी. एन. धर जैसे चुनिंदा सलाहकारों का सुझाव मानकर 1976 की शुरुआत में नियत लोकसभा के चुनाव करवा लिए होते ! इसके उलट इंदिरा गांधी ने न केवल चुनाव टाल दिया, बल्कि लोकसभा का कार्यकाल भी एक साल के लिए बढ़वा दिया। महज 27 वर्ष के शरद यादव ने इसके विरोध में 18 मार्च, 1976 को लोकसभा से इस्तीफा दे दिया और इसीलिए जबलपुर लोकसभा का उपचुनाव जनता पार्टी के प्रयोग के लिहाज से अहम माना जाता है।

इंदिरा गांधी ने जेपी आंदोलन के चरम के समय 25-26 जून, 1975 को देश में आंतरिक आपातकाल घोषित किया था। इसके तुरंत बाद जेपी सहित विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं के साथ ही विपक्षी दलों के हजारों कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी हुई थी। इस पर काफी कुछ लिखा जा चुका है कि इंदिरा यदि छह महीने बाद आपातकाल हटा देतीं और चुनाव करवातीं, तो शायद नतीजे 1977 जैसे नहीं आते। हालाँकि वह सत्ता पर लगातार न केवल पकड़ मज़बूत करती गई, बल्कि ऐसे फ़ैसले लिए जिसका खामियाजा देश की सांविधानिक संस्थाओं को भुगतना पड़ा है। 1975-77 के समय की तुलना आज की सत्ता से होती है, तो इसका कारण सत्तावादी प्रवृत्तियां ही हैं। अलबत्ता दोनों समय में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की भूमिका को लेकर एक बड़ा फर्क है।

जनता पार्टी के गठन और उसके बिखराव में आरएसएस की बड़ी भूमिका थी। जेपी ने अपने आंदोलन के दौरान आरएसएस और भारतीय जनसंघ को साथ लेने से गुरेज नहीं किया था। हालाँकि वह अनेक मौक़ों पर यह उम्मीद ज़रूर करते रहे कि आरएसएस अपना हिंदुत्व का एजेंडा छोड़ देगा। वह यह उम्मीद भी कर रहे थे कि जनता पार्टी में जनसंघ के विलीन होने के बाद आरएसएस के अलग अस्तित्व की ज़रूरत नहीं रह जाएगी। यह सब इतिहास में दर्ज है कि किस तरह से आरएसएस ने न केवल अपना अलग अस्तित्व बनाए रखा, बल्कि वह जनता पार्टी की कीमत पर लगातार मजबूत भी होता गया।जबलपुर के लोकसभा उपचुनाव के क़रीब डेढ़ साल बाद 25 मई, 1976 को जेपी ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जनता पार्टी के गठन की घोषणा की थी। हालाँकि उस समय चरण सिंह ने आरएसएस को लेकर एतराज किया था और अपने भारतीय लोकदल के जनता पार्टी में विलय को तैयार नहीं थे। समाजवादी नेता मधु लिमये ने भी जेल के भीतर से आरएसएस का विरोध किया था। लेकिन जेपी के विश्वास पर अंततः जनता पार्टी का गठन हो गया।

1977 में इंदिरा गांधी ने जब चुनाव करवाने की घोषणा की थी, तब औपचारिक रूप से जनता पार्टी का चुनाव आयोग में पंजीयन नहीं हुआ था, इसलिए जनता पार्टी के उम्मीदवारों को भारतीय लोकदल के उम्मीदवार और उस पार्टी के चुनाह चिह्न हलधर किसान से चुनाव लड़ना पड़ा था। महज ढाई साल में मोरारजी देसाई की अगुआई वाली सरकार के पतन का कारण भी जनता पार्टी के नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के साथ ही आरएसएस की भूमिका थी। 12 जुलाई, 1978 को मोरारजी देसाई की सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में बोलते हुए राजनारायण ने आरएसएस के साथ ही देसाई पर सांप्रदायिकता को लेकर बहुत तीखे हमले किए थे। राजनारायण ने गुजराती की एक किताब आछे मोरारजी देसाई (यह हैं मोरारजी देसाई) के अंश पढ़कर सुनाए जिसमें कहा गया था कि गुजरात के गोधरा में 1929-30 में हुए दंगों के समय अंग्रेज सरकार की एक जाँच रिपोर्ट में देसाई को एसडीएम के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन न करने का दोषी ठहराया गया था ! राजनारायण यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा, ÷मैं यह इस सदन को समझाना चाहता हूं कि आज श्री मोरारजी देसाई और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का गठबंधन क्यों है...।

अंततः दोहरी सदस्यता के मुद्दे पर देसाई की अगुआई वाली जनता पार्टी की सरकार का प्रयोग नाकाम हो गया। आज करीब साढ़े चार दशक बाद राजनीति 180 डिग्री घूम चुकी है। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को अहसास होगा कि उनकी वास्तविक लड़ाई आरएसएस से है। क़रीब एक दशक में उत्तर प्रदेश आरएसएस की नई प्रयोगशाला के रूप में सामने आया है, इसी के फलस्वरूप भाजपा ने 2014 और 2019 में यहाँ से रिकॉर्ड क्रमशः 71 और 62 सीटें जीती थीं। क्या घोसी के नतीजे 2024 का कोई संदेश दे सकते हैं? यह इंडिया को तय करना है।

(**साभार :** लेखक 'दस साल, जिनसे देश की सियासत बदल गई' के लेखक हैं, यह उनके अपने विचार हैं।)

13 सितम्बर 1984 को सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और संत स्वामी ब्रह्मानंद का निधन हुआ था

स्वतंत्रता के बाद गौरक्षा और सामाजिक समरसता के लिये जीवन समर्पित किया

रमेश शर्मा

भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में जितना योगदान सार्वजनिक संघर्ष करने वाले राजनेताओं का है उससे कहीं अधिक उन संतों का भी है जिन्होंने सार्वजनिक संघर्ष में तो सहभागिता की और जेल गये पर अपना पूरा जीवन सामाजिक और साँस्कृतिक जागरण के लिये समर्पित किया । स्वामी ब्रह्मानंद जी ऐसे ही संत थे जो 1930 और 1942 के आँदोलन में तो जेल गये ही थे, स्वतंत्रता के बाद गौरक्षा आँदोलन में भी जेल गये ।

भारत के ऐसे समाजसुधारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वामी ब्रह्मानंद का जन्म 4 दिसम्बर 1894 में उत्तर प्रदेश के हमीर पुर जिले की राठ तहसील के अंतर्गत बरहरा नामक गांव में हुआ था । पिता मातादीन लोधी एक साधारण किसान थे । और माता जशोदाबाई भी एक साधारण गृहिणीं लेकिन परिवार सनातन संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा था । बालक का नाम शिवदयाल रखा गया । घर में संतों का आना जाना था और गाँव के मंदिर में रामायण पाठ होता था । बालक की रुचि रामायण पाठ में थी । अनेक चौपाइयाँ कण्ठस्थ हो गई थीं । उनकी प्रारम्भिक शिक्षा हमीरपुर में ही हुई। इसके पश्चात् उन्होने घर आने वाले संतों और पुरोहितों के सानिध्य में रामायण, महाभारत एवं गीता का अध्ययन करने लगे । गाँव की परंपरा के अनुसार केवल नौ वर्ष की आयु में उनका विवाह पास के गाँव में किसान गोपाल दास की पुत्री राधाबाई से हो गया । समय के साथ एक पुत्र और एक पुत्री के पिता बने । लेकिन उनका चित्त न परिवार में लगा न कृषि में । वे आध्यात्मिकता की खोज के लिये चौबीस वर्ष की आयु में घर से चल दिये । अनेक तीर्थस्थलों पर गये । मथुरा विन्द्रावन अयोध्या काशी आदि होकर हरिद्वार पहुँचे। जहाँ सन्यास की दीक्षा ली और ब्रह्मानंद नाम मिला । यहाँ रहकर उन्होंने वेदों और उपनिषद का अध्ययन किया । और धर्म प्रचार के लिये भारत यात्रा पर निकल पड़े । धर्म प्रचार के साथ सामाजिक जागरण और शिक्षित होने का संदेश देते थे । उन्होंने शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े बुन्देलखण्ड में शिक्षा की अलख जगाई और हमीरपुर के राठ में वर्ष 1938 में ब्रह्मानंद इंटर कॉलेज़, 1943 में ब्रह्मानन्द संस्कृत महाविद्यालय तथा 1960 में ब्रह्मानन्द महाविद्यालय की स्थापना की। इसके अलावा शिक्षा प्रचार के लिए अन्य कई शैक्षणिक संस्थाओं के प्रेरक और सहायक रहे । भारत यात्रा के दौरान ही पंजाब के भटिंडा में उनकी भेंट

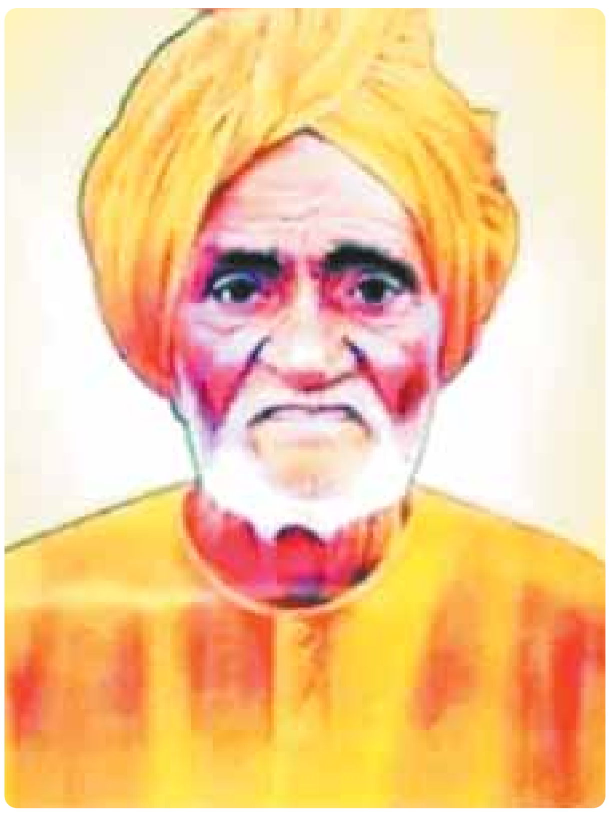

गांधी जी से हुई । गाँधी जी से भेंट के बाद वे स?वतंत्रता संग्राम स्वदेशी आँदोलन से भी जुड़ गये । वे जहाँ जाते वहाँ अपने प्रवचन के बाद स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाते और विदेशी वस्त्रों की होली जलवाते।

स्वामी जी के आग्रह पर गाँधीजी हमीरपुर के राठ क्षेत्र में पधारे । सभा हुई और स्वतंत्रता आँदोलन तेज करने का संकल्प लिया गया । इस संकल्प के साथ क्षेत्र में सविनय अवज्ञा, नमक आंदोलन में भाग लिया और भारत छोड़ों आँदोलन में जेल गये ।

स्वतंत्रता के बाद भी समाज में कुरीतियों के निवारण और स्वत्व जागरण का उनका अभियान तेज हुआ । इसके साथ वे गौरक्षा का संकल्प दिलाते । गौरक्षा को लेकर उन्होंने अनेक स्थानों पर सभाएँ कीं और माँग पत्र प्रस्तुत किये । और 1966 में देश व्यापी गौरक्षा आँदोलन आरंभ हुआ तो ब्रह्मानंद जी की उसमें विशेष सक्रियता रही । उन्होंने पूरे बुन्देलखण्ड क्षेत्र में घूमकर संतों को एकत्र किया और प्रदर्शन के लिये दिल्ली पहुँचे। यह इतिहास प्रसिद्ध गौरक्षा आँदोलन करपात्री जी महाराज के संयोजन में हुआ था । इस आँदोलन में लाठीचार्ज हुआ गोली चली । ब्रह्मानंद जी बंदी बनाकर तिहाड़ जेल भेज दिये गये । रिहाई के बाद पुनः अपने क्षेत्र में सक्रिय हुये । 1967 में भारतीय जनसंघ के आग्रह पर उन्होंने हमीरपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ा और विजयी होकर संसद पहुँचे। स्वतंत्रता के बाद वे पहले संत थे जो संसद में पहुँचे थे । उन्होंने संसद में गौरक्षा पर एक घंटे का व्याख्यान दिया जिसे पूरी संसद ने ध्यान से सुना ।

संन्यास ग्रहण करने के बाद स्वामी जी ने पैसा न छूने का प्रण लिया था । उन्होंने जीवन भर इस प्रण का पालन किया। और कोई निजी संपत्ति नहीं बनाई । सांसद के रूप में जो मानदेय मिलता था वह धन छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में सहायता, समाज सुधार और शिक्षा के प्रसार के कार्य में ही लगाते थे । उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज और राष्ट्र को ही अर्पित कर दिया था । अपने इन्हीं सेवा समर्पण के साथ 13 सितम्बर 1986 में उन्होंने संसार से विदा ली । बुन्देलखण्ड की गणना एक पिछड़े क्षेत्र में हुआ करती थी लेकिन स्वामी ब्रह्मानंद जी ने अपने जीवन में अनेक शिक्षण संस्थाएँ स्थापित कीं। इसके लिये पूरे हमीरपुर और इसके आसपास के जन जीवन में वे आज भी लोकप्रिय हैं।

नशा मुक्त भारत सशक्त विषय पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

इंद्रियों को नियंत्रित कर नशे से लड़ सकते हैं...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम में दिनांक 12 सितंबर को नशा मुक्त भारत सशक्त भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती संध्या थापक, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, विषय विशेषज्ञ संकल्प जिला नशामुक्ति शहर पुनर्वास राहुल सिंह, डॉ. जेपीएन चतुर्वेदी, श्रीमती निहारिका अमितेश मालवीय लक्ष्य मुक्ति केंद्र इटारसी, योगाचार्य श्री राकेश चौहान, कार्यक्रम संयोजक डॉ. कंचन ठाकुर, सचिव डॉ. हर्षा चचाने ने मंच पर अपनी गरिमामई में उपस्थिति प्रदान की। मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्व्लन के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय स्टाफ के द्वारा अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रेमकांत कटंगकार एवं संगीत विभाग की छात्रा कुमारी पूजा गोस्वामी और सौम्या चौहान ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। अतिथियों द्वारा नशा मुक्त भारत सशक्त भारत विषय पर संक्षेपिका का विमोचन किया गया।

नशा मुक्त भारत सशक्त भारत संक्षेपिका का किया गया विमोचन

इस अवसर पर महाविद्यालय की ने अपने स्वागत भाषण में हम माननीय कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हैं जिन्होंने इस प्रकार की संगोष्ठी के लिए महाविद्यालय को वित्तपोषित किया।

इस अवसर पर डॉ. हर्षा चचाने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि सर्वप्रथम नशे के कारण को जानने एवं जड़ से मिटाने का प्रयास करें। हमें अपने गौरवशाली इतिहास को समझना होगा और यह जानना होगा कि हम सबसे अदम्य है। आपका एक प्रयास किसी के जीवन को प्रकाश से भर सकता है। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ राहुल सिंह ने कहा कि जिस पदार्थ के सेवन करने से बुद्धि भ्रष्ट हो जाए एवं स्वयं पर नियंत्रण न बचे वह नशा है। नशा भयावह और खत्म न होने वाली बीमारी है। शुरुआती तौर पर नशा आकर्षण होता है परंतु बाद में विकट रूप धारण कर लेता है।

मुख्य वक्ता डॉ. जे.पी.एन. चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में तंबाकू एवं गुटका का दुष्प्रभाव बताए।

शक्ति केंद्र की कार्यशाला आयोजित

इटारसी, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पुरानी इटारसी की मंगलवार को शक्ति केंद्र क्रमांक 4 चंद्रशेखर आजाद की आगामी कार्य योजना की एवं सदस्यता अभियान,को लेकर बैठक विधायक कार्यालय पुरानी इटारसी में संपन हुई।

सर्वप्रथम भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय , डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर शक्ति केंद्र की कार्यशाला प्रारंभ की गई। कार्यशाला में मुख्य रूप वक्ता भाजपा जिला मंत्री उमेश पटेल ,मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो,महामंत्री गोविंद मेहतो उपस्थित रहे। शक्ति केंद्र क्रमांक 4 चंद्रशेखर आजाद की कार्यशाला सम्मेलन में शक्ति केंद्र के प्रभारी,संयोजक,सह संयोजक,सोशल मीडिया,महिला कार्यकर्ता,हितगाही प्रभारी, त्रिदेव,बूथ अध्यक्ष,बूथ महामंत्री,बूथ बीएलओ,बूथ समिति,पन्ना प्रमुख,पन्ना समिति के साथ संपन्न हुई।शक्ति केंद्र कार्यशाला में मुख्य रूप से महिला मोर्चा जिला मंत्री श्रीमती ममता मालवीय ,भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष विजय चौरे,पार्षद जिम्मी कैथवास,कुंदन गौर,राजकुमार बावरिया,विधायक प्रतिनिधि शशांक मालवीय,महिला मोर्चा महामंत्री राजकली बाबरिया,रामदुलारे बोरासी,पूर्व पार्षद बसंत चौहान,मुकेश राय,सोहन बावरिया,जयदीप प्रजापति,शुभम प्रजापति,शिवचरण बोरासी,रोशन प्रजापति,राहुल प्रजापति,आयुष राजपूत, कार्यशाला में शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता मौजूद थे।

केन्द्रीय विद्यालय में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की शुरूआत

सीहोर, दोपहर मेट्रो

केन्द्रीय विद्यालय में छात्रों को एलबेण्डाजॉल टेबलेट खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का जिला स्तरीय शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कक्षा 1 से लेकर 12 वीं तक के बच्चों को एल्बेण्डॉजॉल की गोली खिलाई गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने जानकारी दी कि जिले में 5 लाख 65 हजार 720 छात्रों को कृमि नाशन दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। छ्- वर्ष से 19 वर्ष आयु वर्ग के आष्टा में 1 लाख 54 हजार 585 छात्र, बुदनी में 60 हजार 283, इछावर में 69 हजार 702, भैरूंदा 94 हजार 592 तथा सीहोर शहरी क्षेत्र तथा श्यामपुर में 01 लाख 86 हजार 558 विद्यार्थी इस प्रकार कुल 5 लाख 65 हजार 720 छात्रों को एल्बेंडाजॉल टेबलेट खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आष्टा अस्पताल में डायलीसिस मशीन शुरू जावर में भी जल्द मिलेगी सुविधा

आष्टा, दोपहर मेट्रो

सिविल अस्पताल आष्टा में विधायक रघुनाथ मालवीय तथा कलेक्टर प्रवीण सिंह ने डायलीसिस मशीन का शुभारंभ किया। इस दौरान कलेक्टर ने सिविल अस्पताल आष्टा का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में एक्यूएएस के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। कलेक्टर सिंह ने अस्पताल रिकार्ड का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को रिकार्ड अपडेट रखने तथा एनक्यूएएस की गाइडलाईन अनुसार समस्त तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के भी चिकित्सकों को निर्देश दिए। उन्होंने दवा वितरण केन्द्र का निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध दवाओं की भी जानकारी ली। संभाग की क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. नीरा चौधरी तथा कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जावर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान एनक्यूएएस की तैयारियों की जानकारी ली और अस्पताल रिकार्ड का निरीक्षण किया। जावर में एक्सरे मशीन के लिए स्वास्थ्य कमिश्नर से चर्चा कर एक्सरे मशीन शीघ्र उपलब्ध कराने की बात कही। क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. चौधरी ने राष्टीय कृमि मुक्ति दिवस के अंतर्गत हरनावदा में स्कूलों का भ्रमण किया। इस डायलीसिस मशीन के शुभारंभ से क्षेत्र के डायलीलिस कराने वाले मरीजों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष दीक्षा सोनू गुणवान, नगर पालिका अध्यक्ष हेमुकुंवर रायसिंह मेवाड़ा, एसडीएम आनंद सिंह राजावत, सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया उपस्थित थे।

बच्चों को खिलाई गई कृमि नाशक की दवा...

नर्मदापुरम। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश दहलवार ने बताया कि मंगलवार 12 सितम्बर को जिले के सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शिक्षकों,आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य टीम की उपस्थिति में 01 से 19 वर्ष के 314292 बच्चों को कृमि नाशक दवा खिलाई गई। छूटे हुए बच्चों को मापअप दिवस 15 सितंबर शुक्रवार के दिन दवा खिलाई जाएगी।

दो दिवसीय वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का समापन

इटारसी, दोपहर मेट्रो

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में दो दिनी वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का सफल समापन हुआ। द्वितीय दिवस भोपाल से आमंत्रित राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान मुम्बई के रजिस्टर्ड ट्रेनर विवेक वर्मा ने मिचुअल फंड में निवेश एवं प्रतिभूति बाजार में कॅरियर के अवसर पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के समापन पर संस्था की प्राचार्य डॉ. राकेश मेहता ने भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम निरन्तर कराने तथा विद्यार्थियों को भाग लेने हेतु प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के समस्त शैक्षणिक स्टाफ सहित वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पीके अग्रवाल, डॉ. आशुतोष मालवीय एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर जनसुनवाई में कुल 101 आवेदन आएं

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने आमजनों द्वारा दिए गए आवेदनों का त्वरित निराकरण किया। जनसुनवाई में कुल 101 आवेदन आएं। जनसुनवाई में इटारसी की छात्रा निकिता चौधरी ने बताया की एम.जी.एम. महाविद्यालय इटारसी में पी.जी.डी.सी.ए. में सत्र 2023-24 में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश लिया है। छात्रा द्वारा ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते समय संबल योजना का चयन नहीं किया गया, जिसके कारण उन्हें 1040 रुपए प्रवेश शुल्क जमा करना पड़ा। जिस पर कलेक्टर ने नोडल प्राचार्य को प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। प्राचार्य ने बताया कि ई-प्रवेश पोर्टल पर योजना के परिवर्तन हेतु सुविधा प्रारंभ होते ही छात्रा की योजना में परिवर्तन कर योजना का लाभ प्रदान कर दिया जाएगा एवं छात्रा द्वारा महाविद्यालय में जमा शुल्क भी वापस प्रदान कर दिया जाएगा।

जनसुनवाई में सिवनीमालवा निवासी महेंद्र रघुवंशी ने पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिलने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार सिवनीमालवा को प्रकरण की जांच करने के निर्देश दिए। तहसीलदार सिवनीमालवा ने बताया कि आवेदक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लिए पात्र नहीं होने के कारण योजना का लाभ दिलाया जाना संभव नहीं है। जनसुनवाई में सीवी रमन कॉलेज नर्मदापुरम की छात्रा सपना हर्निया ने छात्रवृत्ति का लाभ दिए जाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने जनजाति कार्य विभाग को आवेदन की जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम आरी निवासी कामता प्रसाद ने नक्शा दुरुस्त करने के संबंध में आवेदन दिया जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार माखननगर को आवेदन का शीघ्र निराकरण करने के लिए निर्देशित किया।इसी प्रकार कलेक्टर ने जनसुनवाई में आए अन्य आवेदनों का भी निराकरण किया। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एसएस रावत, अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती फरहीन खान, सिटी मजिस्ट्रेट श्रीमती संपदा सराफ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

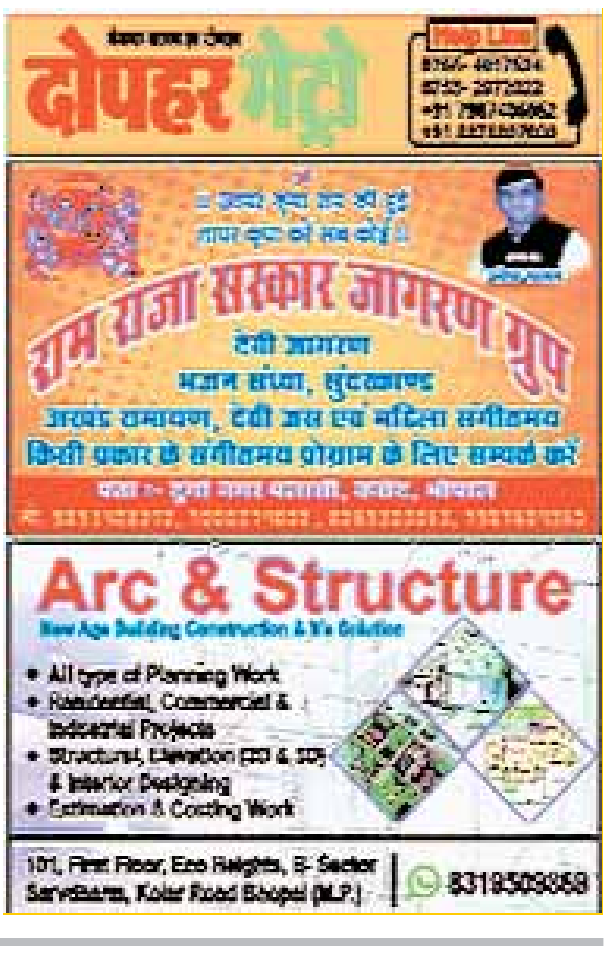

चरणबध्य तरीके से करेंगे 18 को आंदोलन

सिरोंज को जिला बनाने व्यापार महासंघ भी आया मैदान में, बाजार बंद कराएंगे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अब सिरोंज को जिला बनाने के व्यापार महासंघ भी मैदान में उतर आया है। बरसों पुरानी मांग को धार देने के लिए सोमवार को व्यापार महासंघ ने एसडीएम को ज्ञापन भी दिया है 3 दिन की रूपरेखा भी तैयार की गई है। जिसमें जिला बनाने के लिए अलग-अलग दिन अलग-अलग प्रदर्शन होंगे 18 को बाजार बंद करके बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा जाएगा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आगमन भी जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान हो रहा है उनसे भी सिरोंज को जिला बनाने की मांग पुरजोर तरीके से रखने के लिए व्यापार महासंघ पूरी तरह से तैयारी कर रहा है। व्यापार महासंघ अध्यक्ष पदम ताम्रकार ने बताया कि जिला बनाने की मांग व्यापार महासंघ के तहत आने वाले सभी 14 संघ एक जो जिल बनने की मांग को पूर्ण करवाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे व्यापारियों के साथ आमजन का भी सहयोग मांगेंगे हमारा प्रयास रहेगा कि जब तक सिरोंज को जल बनाने की घोषणा नहीं होगी हमारा अभियान चलता रहेगा। वही व्यापार महासंघ ने एसडीएम हर्षल चौधरी ज्ञापन देते हुए कहा कि हम लोगों ने कई बार ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम दिए हैं पर हमारे ज्ञापन का आज तक कोई जवाब नहीं दिया अब हम लोग अपनी पुरानी मांग को मनवाने के लिए आंदोलन ऑपरेशन भी करेंगे जिला बनाने की घोषणा मांग पूरी होने के बाद ही हम लोग अपना प्रश्न बंद करेंगे।

आज प्रेस को बताएंगे अपनी मांगे - जिला बनाने के लिए आंदोलन की पूरी रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी देने के लिए पहले दिन आज पत्रकारों से महासंघ के अध्यक्ष और प्रतिनिधि संवाद स्थापित करके अपनी रणनीति और आंदोलन के बारे में बताएंगे एवं प्रचार प्रसार के माध्यम से संपूर्ण शहर को भी अवगत कराया जाएगा एवं आंदोलन के लिए समर्थन मांगेंगे।

दूसरे दिन बुधवार को महासंघ द्वारा समस्त व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर पेंपलेट चिपका कर एवं काली पट्टी का वितरण कर व्यापारियों को जागरूक किया जाएगा। क्योंकि जब तक व्यापारी नहीं जागेंगे तब तक श्रमिक जिला बनाने की मांग भी पूर्ण नहीं हो पाएगी अभी जिस तरह के प्रदर्शन की जरूरत है उसे तरह का प्रदर्शन नहीं होने से जिला बनाने की आवाज जितनी जितनी बुलंद चाहिए उतनी नहीं हो पा रही है। इसकी वजह से सिरोंज को जिला बनाने की घोषणा नहीं हो पा रही यदि व्यापारियों और आम जनता ने ठान लिया तो मुख्यमंत्री को जिला बनाने की घोषणा भी करनी पड़ेगी। 15 सितंबर को पूरे शहर के व्यापारी सिरोंज जिला बनाने के लिए काली पट्टी बांधकर अपना व्यापार संचालित करके अपनी मांग को बुलंद रखेंगे।

16 तारीख को सिरोंज जिला बनाओ के लिए जागरूक रैली दोपहर 2 बजे, से शीतला माता मंदिर कठाली बाजारद्द से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए कोर्ट गेट, राज बाजार, हाजीपुर बलेज पेट्रोल पंप, लिंक रोड, छतरी नाका, कस्टम पथ, होते हुए शीतला माता मंदिर कठाली बाजार पर समापन होगी।

17 को सिरोंज जिला बनाने के लिए विशाल धरना प्रदर्शन' शहर के बीचो-बीच मुख्य बाजार में किया जावेगा जिसमें व्यापार महासंघ का प्रयास होगा कि सभी व्यापारियों के साथ आम जनता भी बढ़ चलकर भाग ले और आंदोलन को विराटता प्रदान करें।

18 सितंबर को सिरोंज व्यापार महासंघ की ओर से सिरोंज के समस्त व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करवा कर जिला बनाने की मांग को पूर्ण करवाने के लिए बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। आंदोलन की रूपरेखा इस तरीके से बनाई जाएगी केवल शांतिपूर्ण व्यवहार एक व मर्यादा में रहकर ही व्यापारिक संगठन अपना प्रदर्शन करेंगे।

14 व्यापारिक संगठन सिरोंज को जिला बनाने के समर्थन में जिनमें वस्त्र व्यापार संघ, अनाज तिलहन व्यापार संघ, किराना व्यापार संघ, सराफा व्यापार संघ, इलेक्ट्रॉनिक - इलेक्ट्रिकल व्यापार संघ, वर्तन व्यापार संघ, मशीनरी व्यापार संघ, हार्डवेयर एंड सेनेटरी व्यापार संघ, मिष्ठान व्यापार संघ, औषधि विक्रेता व्यापार संघ, मोबाइल व्यापार संघ, फुटवियर व्यापार संघ, जनरल स्टोर स्टेशनरी व्यापार संघ, कीटनाशक व्यापार संघ यह सभी सिरोंज व्यापार महासंघ के अंग हैं, एवं सभी संगठनों ने सिरोंज जिला बनाने के लिए पूर्ण समर्थन दिया है। सभी संगठन आंदोलन में पूर्ण रूप से साथ रहेंगे एवं सिरोंज बंद

ग्राम घोसुआ ताल का युवक उगर में फांसी के फंदे पर लटका मिला

सिरोंज। दो दिनों से घर से गायब मेहरबान सिंह कुशवाह उम्र 18 साल निवासी घेसुआताल ग्राम उगर में महुआ के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। इसकी जानकारी लगने पर परिजन पहुंचे उन्होंने हत्या की आशंका जहर करते हुए कहा कि कुछ लोगों से उनका विवाद भी चल रहा था वह लोगों उसकी हत्या करके फांसी के फंदे पर भी लटका सकते हैं। काफी देर तक परिजनों की पुलिस से तीखी नौक जोंक भी हुई पुलिस ने कहा कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद हम आगे की कार्रवाई करेंगे उसके उपरांत ही करणों का खुलासा हो पाएगा। पीएम के बाद लास परिजनों को सौंप दी गई।

नगर में अवैध होर्डिंग्स की बाढ़ नपा नही कर रही कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर सिरोंज में अवैध होर्डिंसों से शहरों की सुंदरता में बाधा बनने पर सौन्दर्यीकरण पर भी इसका असर पडता हुआ दिखाई दे रहा है। वही हम बात करें तों नगर के मुख्य बाजार से लेकर बडा बाजार ढाल बाजार कष्टम पथ छत्री नाका चोराहे पर सार्वजनिक स्थानों पर बेधड़क अवैध होर्डिंग्स बिजली कें खंबो पर एवं अन्य संस्थानों द्वारा टांग दिये गये मगर उसके बाद भी नपा प्रबंधन के जिम्मेदारों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं जा रही है। और उसके साथ ही बिजली के खंभो पर अवैध होर्डिंग्स एक नहीं अनगिनत टांग दिये गये लेकिन जिम्मेदारों द्वारा देखकर भी अनदेखा किया जा रहा है और बिना अनुमति टांगे गये अवैध होर्डिंग्स टांगने वालें संस्थानों पर संपत्ति विरुपण अधिनियम के तहत कोई कार्यवाही तक नहीं कि जा रहीं है। वही देखा जाए कि ष्यासकीय भवनो के बाहर पोस्टर आदि चिपका कर उसकी सुंदरता खराब की जा रही है लेकिन जिम्मेदार विभाग भी इस

और ध्यान नही दे रहा है और चिपकाने वाले लोगो से मना नही कर रहा है। वही देखा जाए कि विधानसभा चुनाव करीब है और जों टिकिट की दावेदारी कर रहे है वों सबसे ज्यादा फिलेक्स लगा रहे है जगह जगह दुकानो पर खंबो पर भवनो पर फिलेक्स लगाकर नगर की सुंदरता पर बांधा डाल रहे है लेकित प्रषासन इस और बिलकुल भी ध्यान नही दे रहा है।

जनमानस के कल्याण के लिए किये काम से मन को मिलती है शांति: तिवारी महाराज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

ग्राम पिपलीहाट में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास राममोहन तिवारी ने कहा कि संसार का सार सत्य सनातन में समाया हुआ है। जब हम सच्चे भाव से सृष्टिकर्ता के बताये सत्कर्म परमार्थ पुरुषार्थ रूपी सूत्रों का पालन अपने निजी जीवन में करते हैं तो परम् शान्ति, परम आत्मसुख,परम् वैभव के अधिकारी प्रभु कृपा से स्वतः ही

बन जाते हैं, मानव का प्रथम उद्देश्य परमात्मा की बनाई प्रकृति में सहयोग करना है।,परन्तु आज हम केवल प्रकृति का दोहन कर रहे हैं,उसका संवर्द्धन करने में पिछड़ रहे हैं।द्वारकाधीश श्री कृष्ण का स्पष्ट संदेश है कि मानव रूपी ये अनोखी पकृति केवल सृष्टि संचालन में अपना सहयोग करे,।, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रघुवीर सिंह रघुवंशी भी पहुंचने उन्होंने कथा व्यास की आरती उतार का सम्मान किया। इस दौरान बड़ी संख्या श्रद्धालु गण मौजूद थे।

अभिभाषक संघ ने मनाया एडवोकेट अभिषेक चौधरी का जन्मदिन

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

आज नगर सिरोंज में अभिभाषक संघ के सदस्य एड अभिषेक चौधरी का जन्मदिन हार माला पहनाकर स्वागत कर बड़े धूम धाम से मनाया इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अवधनारायण श्रीवास्तव कपिल त्यागी मदनमोहन गुजराती अशोक कुमार निगम ओमबाबू भार्गव कृष्णन्द शर्मा श्रीराम सूर्यवंशी धर्मेंद्र रघुवंशी अशोक शर्मा राजकुमार शर्मा मुस्ताक मिया मोहन शर्मा नीरज श्रीवास्तव आदि अधिवक्ता उपस्थित हुए।

स्कूली छात्राओं ने दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

विदिशा। जिले में आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 में शत-प्रतिशत मतदान हेतु कलेक्टर तथा जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार स्वीप प्लान अंतर्गत विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में रायसेन स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता पर केन्द्रित राखियां बनाते हुए आगामी विधानसभा निर्वाचन में अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदाताओं को प्रेरित किया गया। छात्राओं ने कहा कि लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व होता है। इसलिए सभी मतदाताओं को अपने मतदान जरूर करना चाहिए। इस अवसर पर जनशिक्षक श्री सूर्यप्रकाश सक्सेना सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ

विदिशा ,दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन आज विदिशा के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया था। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री मुकेश टंडन एवं सांसद प्रतिनिधि श्री राकेश शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के द्वारा बच्चों को कृमिनाशक गोलियां खिलाकर किया गया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि निर्धारित आयुवर्ग के हितग्राहियों को प्रोटोकॉल अनुसार एल्बेंडाजोल की गोली का सेवन करना चाहिए ताकि शरीर में खून की कमी एवं

कुपोषण जैसी भयानक बीमारियों से छुटकारा मिल सके। साथ ही बच्चे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर आगे बढ़ सके इसके लिए आयोजित कार्यक्रम की भी जनप्रतिनिधियों के द्वारा सराहना की गई है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर शर्मा ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री आशुतोष घुटे एवं प्रदीप अहिरवार द्वारा हाथ धोने की विधि एवं हाथ धोने के फायदे के साथ कब-कब हमें हाथ धोना चाहिए के बारे में जानकारी दी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर हंसा शाह ने गोली खाने के क्या फायदे हैं एवं गोली ना खाने से क्या हानि होती है के बारे में बताया। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. डीके शर्मा ने बताया कि एक वर्ष से लेकर के 19 वर्ष तक के आंगनबाड़ी, स्कूलों में पंजीकृत समस्त बालक बालिकाओं, शाला त्यागी बालक-बालिकाओं एवं 20 वर्ष से 49 वर्ष तक की प्रजनन कालिक महिलाओं को गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को छोड़कर कृमि नाशक एल्बेंडाजोल की गोली प्रोटोकॉल अनुसार खिलाई जाना है।

विकास रथ नागरिकों को दे रहे शासकीय योजनाओं की जानकारी

रायसेन। शासकीय योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए रायसेन जिले की सभी विधानसभाओं में विकास रथ चलाए जा रहे है। जिनके माध्यम से शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभ लेने के लिए जागरूक किया जा रहा है। दिनांक 12 सितम्बर को विकास रथों द्वारा भोजपुर विधानसभा अंतर्गत बाड़ी नगर के विभिन्न वार्डो में तथा सिलवानी विधानसभा अंतर्गत ग्राम बम्होरी, दिल्हारी, अर्जनी, मनकवाड़ा सहित अन्य ग्रामों में पहुंचकर नागरिकों को विकास रथ में लगी एलईडी के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्राति योजना, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ, किसान कल्याण के चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया।

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का किया गया निराकरण

रायसेन, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर अरविंद दुबे के निर्देशानुसार प्रति मंगलवार की भांति कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे द्वारा नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों पर सुनवाई करते हुए उनका निराकरण किया गया। उन्होंने कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जो आवेदन प्राप्त हुए जिनमें अधिकांश आवेदन प्रधानमंत्री आवास, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बीपीएल राशन कार्ड, आर्थिक सहायता, अतिक्रमण तथा विद्युत समस्या से संबंधित थे। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अल्का सिंह सहित अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधो. वि. निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग सागर भदभदा रोड, भोपाल
क्रमांक/664/तशा/मप्रपुहाका/यंत्री/सागर/2023 दिनांक : 06.09.2023

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में बाह्य विद्युतीकरण कार्य 33/0.4 के.व्ही. 2x500 के.व्ही.ए. का कार्य 80+160 बहुमंजिला आवास गृह पिपलानी, भोपाल हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2023_MPPHC_305662_1 दिनांक 21.09.2023 समय 17:00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : https://www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/111881/2023 परियोजना यंत्री

मेट्रो एंकर फर्जी दस्तावेज कहां से बन रहे है इसकी भी जांच हो

आंगनवाडी कार्यकर्ता फर्जी दस्तावेजों से कर रही नौकरी ग्रामीणों ने एसडीएम से की शिकायत

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

ग्राम दीकनखेडा के कई महिला एवं पुरुष एकत्र होकर तहसील कार्यालय पहुंचे जहां उन्होने एसडीएम हर्षल चौधरी को एक ज्ञापन सौपा। मे लेख किया है कि आंगनवाडी कार्यकर्ता हरिबाई पति रामस्वरूप षर्मा के द्वारा अपनी उम्र से संबंधित फर्जी दसतावेजों के आधार पर नौकरी की जा रही है। हरि बाई की उम्र वोटर आईडी के आधार पर 69 वर्ष तथा पिछली साल समग्र आईडी मे 68 वर्ष थी और उनके दो पुत्रो राजकुमार की उम्र 50 वर्ष तथा चन्द्रेष की उम्र 47 वर्ष है। लेकिन हरि बाई ने अपने आधार कार्ड तथा समग्र आईडी मे उम्र को 52 वर्ष कर फर्जी तरीके से नौकरी कर रही है। वही उन्होने बताया कि इनके बडे लडके राजकुमार की उम्र 50 वर्ष है इसलिए

आंगनवाडी कार्यकर्ता हरिबाई की उम्र 52 वर्ष होना संभव नही है। आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा फर्जी तरीके से लाडली लक्ष्मी योजना मे नाम जोड़कर इसका फायदा लिया जा रहा है। महिला बाल विकास में सूचना के अधिकारके तहत जानकारी मांगने पर बताया गया कि

शिकायत के बाद कार्यवाही क्यों नहीं

कार्यकर्ता की अंकसूची एवं नियुक्ति के समय लिए गये अन्य दस्तावेज कार्यालय में उपस्थित नही है यह एक बडे घोटाले की और इषारा करते है जिसमे संबंधित विभाग के अधिकारी षामिल है। वही ग्रामीणों ने कहा कि हरि बाई की षिकायत हमारे द्वारा एसडीएम कार्यालय मे पहले भी कई बार की जा चुकी है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है। जल्द कार्यवाही नही होने पर ग्रामीणों के द्वारा तहसील परिसर में धरना दिया जावेगा। इस दौरान अष्वनेष षर्मा रामकली बाई षिवराज तरुणा रावत सोनम षर्मा नीरज गोलू आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

टीम इंडिया का फिरकी बदौलत फाइनल कूच !

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

श्रीलंका को घरेलू जमीन पर खेले गए एशिया कप 2023 के सुपर-4 के अहम मुकाबले में भारतीय टीम ने 41 रनों की शिकस्त देकर 11वीं बार एशिया कप के फाइनल में कूच कर लिया है।टीम इंडिया ने इससे पहले एशिया कप के 10 फाइनल खेलते हुए 7 बार इस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। रोहित ब्रिगेड की दो दिनों में यह दूसरी धमाकेदार जीत रही है।एक दिन पहले ही दो दिवसीय वनडे में पाकिस्तान टीम को चारों खाने चित करने वाली इस टीम ने श्रीलंका के खिलाफ मैदान में कोई बड़ी चूक नहीं की,जिसकी वजह से टीम इंडिया श्रीलंका को काबू में रखने में सफल हुई।वैसे श्रीलंका के साथ हुए मैच में टॉस की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।मैच की शुरुआत से आखिरी तक पिच का बर्ताव देखकर कप्तान रोहित शर्मा का पहले बल्लेबाजी करना टीम की जीत में मददगार साबित हुआ। सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफएशिया कप 2023 के मैच में 356 का स्कोर खड़ा करके 228 रनों से मैच जीतने वाली भारतीय टीम के प्रदर्शन में फिरकी के खिलाफ बहुत बड़ी गिरावट देखने को मिली है। मात्र एक दिन अंतराल में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के उसी मैदान पर मैच खेलने उतरी टीम इंडिया के बल्लेबाज फिरकी जाल में फंसते हुए नजर आए। सभी बल्लेबाज श्रीलंका के फिरकी में उलझते नजर आये, खासतौर से बांये हाथ के फिरकी वेलालगे के सामने सभी बल्लेबाज मजबूर दिखे।इस मैच में एक बार फिर टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाजों की घुमावदार पिच पर बांये हाथ की फिरकी बड़ी कमजोरी बनकर उभर आयी। मतलब साफ है कि अगर टीम इंडिया को वर्ल्ड कप मिशन में कामयाबी हासिल करनी है तो फिर उसके बल्लेबाजों को इस कमजोरी पर कड़ी मेहनत करना पड़ेगी। भले ही टीम इंडिया ने फिरकी मददगार पिच भांपते हुए इस मैच में 3 बांये हाथ के फिरकी शामिल किये थे, लेकिन इस संयोजन में अक्षर पटेल की उपयोगिता तमाम सवाल पैदा करती है। उनका टीम संयोजन में तीसरे फिरकी के बजाय उनके बल्ले की ताकत की वजह होना प्रतीत होता है, क्योंकि फिरकी मददगार पिच पर उनके कोटे के पूरे ओवर भी नही कराए गए।मेरे नजरिए में वर्ल्ड कप की टीम इंडिया में फिरकी संयोजन की सबसे बड़ी भूल है, क्योंकि टीम इंडिया को घरेलू जमीन पर होने वर्ल्ड कप में 3 फिरकी की एकादश में दरकार होगी,उस समय जडेजा और अक्षर जैसे एक समान उपयोगिता वाले फिरकी को अंतिम एकादश में शामिल करना मैनेजमेंट की मजबूरी बन जाएगी।यह बात वाकई समझ से परे है कि जब कुलदीप के साथ चहल या फिर जडेजा के साथ अश्विन रूपी फिरकी जोड़ी टीम इंडिया की वनडे जीत में अहम किरदार निभा चुकीं हैं,तो फिर टेस्ट मैचों के इस फॉर्मूले को टेस्ट सीरीज तक ही सीमित क्यों नहीं रखा गया।वनडे मैचों में इस अनूठे प्रयोग का इस्तेमाल क्यों और कब तक अब देखना यह है कि एशिया कप के 21 दिनों के सफर के बाद टीम मैनेजमेंट और कप्तान क्या सबक लेकर आते हैं।हालांकि रोहित सेना की निगाहें अब एशिया कप के आठवें खिताब यानी एशिया कप 2023 के फाइनल पर टिकी हैं। जहां उसका सामना पाकिस्तान या श्रीलंका में से किसी एक टीम से होगा। वैसे उसके पहले टीम इंडिया की भिड़ंत बंगलादेश टीम से भी होनी है,लेकिन उस मैच के मायने फायनल के पहले होने वाले बतौर प्रैक्टिस मैच ही रहने वाला है।

श्रीलंका को हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

एशिया कप : रोहित शर्मा ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा

कोलंबो, एजेंसी

भारत ने एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली। टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने 53 रन बनाए, इसी के साथ उन्होंने वनडे क्रिकेट में 10 हजार रन भी पूरे कर लिए। एशिया कप में यह उनका 10वां फिफ्टी प्लस स्कोर रहा, उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। वहीं रवींद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ 2 विकेट लिए। इसी के साथ उनके वनडे एशिया कप में 24 विकेट हो गए और वे टूर्नामेंट इतिहास में भारत के सबसे सफल गेंदबाज बन गए।

रोहित का एशिया कप में 10वां 50+ स्कोर

रोहित शर्मा ने वनडे में लगातार तीसरी फिफ्टी लगाई। उन्होंने 48 गेंद पर 53 रन बनाए। इसी के साथ वे वनडे एशिया कप में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनके नाम 9 फिफ्टी प्लस स्कोर हैं। रोहित शर्मा ने एशिया कप में कुल 9 फिफ्टी और एक सेंचुरी लगाई है, जबकि सचिन ने 7 फिफ्टी और 2 शतक लगाए हैं। रोहित शर्मा के वनडे करियर में 10 हजार रन पूरे हो गए। उन्होंने पारी में 22वां रन बनाते ही यह रिकॉर्ड बनाया। वे 10 हजार रन बनाने वाले छठे भारतीय बने। उनसे पहले विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और राहुल द्रविड़ ही ऐसा कर सके हैं।

सबसे तेज 1000 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप

रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने 80 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। इसी के साथ दोनों के बीच महज 12 पारियों में कुल एक हजार रन की साझेदारी हो चुकी है। दोनों सबसे तेजी से इस मुकाम तक पहुंचे। उन्होंने पाकिस्तान के फखर जमान और इमाम-उल-हक का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 15 पारियों में एक हजार रन की साझेदारी की थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के बीच श्रीलंका के खिलाफ महज 10 रन की साझेदारी हुई, लेकिन पार्टनरशिप में दूसरा रन लेते ही दोनों के बीच ओवरऑल 5000 रन की साझेदारी पूरी हो गई। दोनों सबसे तेजी से इस मुकाम तक पहुंचे। दोनों ने महज 86 पारियों में यह कारनामा किया। रोहित और विराट ने वेस्टइंडीज के गॉर्डन ग्रीनिज और डेसमंड हैंस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 97 पारियों में ऐसा किया था। रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर 8 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। उन्होंने महज 160 पारियां खेलीं, जो दुनिया में सबसे तेज है।

श्रीलंका ने लगातार 14वें मैच में विपक्षी टीम को ऑलआउट किया

श्रीलंका ने लगातार 14वें वनडे में विपक्षी टीम को ऑलआउट किया। श्रीलंका विपक्षी टीम को ऑलआउट करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम लेकर चल रहा है। दूसरे नंबर पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका ने 10-10 बार विपक्षी टीम को ऑलआउट किया है। टीम ने वनडे इतिहास में पहली बार पूरे 10 विकेट स्पिनर्स के खिलाफ गंवाए। श्रीलंका के लेफ्ट आर्म स्पिनर दुनिथ वेल्लालागे ने 5 और ऑफ स्पिनर चरिथ असालंका ने 4 विकेट लिए। मिस्ट्री स्पिनर महीश तीक्षणा को एक विकेट मिला। इससे पहले, भारत ने 1997 में श्रीलंका के ही खिलाफ एक वनडे में पारी में स्पिनर्स के खिलाफ 9 विकेट गंवाए थे।

ग्रुप स्टेज मैचों के सभी टिकट बिके

'वर्ल्ड कप का बिल्ड-अप खराब किया'

मेलबर्न, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने वनडे वर्ल्ड कप की टिकट बुकिंग प्रोसेस की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, बीसीसीआई को बेहतर टिकट बुकिंग सिस्टम देना चाहिए, जिससे असली फैंस मैदान में आकर टीम को सपोर्ट करें। वर्ल्ड कप होस्ट करना नेशनल प्राइड की बात है, लेकिन हमने टिकट में ट्रांसपेरेंसी नहीं दिखाकर ब्लैक मार्केट को बढ़ावा दिया है। वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 2 ट्वीट

कर मैनेजमेंट की आलोचना की। वेंकटेश प्रसाद ने लिखा, हमने वर्ल्ड कप के बिल्ड-अप को खराब कर दिया है। बिना किसी कारण से शेड्यूल में देरी होना, उसके बाद भी 9 मैचों का शेड्यूल बदलना। इतना काफी नहीं था कि अब टिकट बुकिंग में ट्रांसपेरेंसी की कमी और बेहद धीमे सिस्टम ने पूरी तरह से ब्लैक मार्केट को बढ़ावा दे दिया। वर्ल्ड कप होस्ट करना देश के लिए प्राइड मोमेंट है और फैंस के लिए भी टिकट बुकिंग प्रोसेस उतनी ही स्मूद होनी चाहिए थ, लेकिन फैंस को जितनी परेशानी हुई, यह सोची-समझी प्लानिंग लग रही है। हमें बोर्ड की इस अयोग्यता के खिलाफ आवाज उठानी ही होगी। टिकट बुकिंग वेबसाइट पर भारत के सभी मैचों के टिकट बिक चुके हैं।

मेट्रो बाजार

इंडस्ट्री से पेट्रोल और डीजल से ग्रीन फ्यूल बढ़ना जरुरी

नईदिल्ली, एजेंसी

सरकार के पास डीजल गाड़ियों पर 10 फीसदी एक्स्ट्रा टैक्स लगाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। सेंट्रल रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी। दरअसल, केंद्रीय मंत्री ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के 63वें एनुअल कन्वेक्शन में कहा था कि डीजल से चलने वाली गाड़ियों और जनरेटरों का जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल जारी रहता है, तो हर डीजल इंजन पर पॉल्युशन टैक्स के रूप में एडिशनल 10 फीसदी एडिशनल टैक्स बढ़ाने के लिए मैं वित्त मंत्री से बात करूंगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आगे कहा कि 2070 तक कार्बन नेट जीरो हासिल करने और डीजल जैसे खतरनाक ईंधन के कारण होने वाले वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के साथ-साथ ऑटोमोबाइल बिक्री में तेजी से बढ़ोतरी के लिए हमारी प्रतिबद्धताओं के मुताबिक, सक्रिय रूप से स्वच्छ और ग्रीन ऑप्शनल फ्यूल को अपनाना जरूरी है। ये फ्यूल इंपोर्ट के विकल्प, लागत प्रभावी, स्वदेशी और प्रदूषण मुक्त होने चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रीन एनर्जी में परिवर्तन लाने का यही एकमात्र तरीका है, नहीं तो लोग सुनने के मूड में नहीं लगते हैं। गडकरी ने ऑटो इंडस्ट्री से डीजल वाहनों का प्रोडक्शन कम करने की बात कही। उन्होंने इंडस्ट्री से पेट्रोल

और डीजल से ग्रीन फ्यूल की ओर बढ़ने की अपील की। ऐसा न करने पर उन्होंने कहा कि सरकार को अतिरिक्त कर जोड़ना होगा। डीजल गाड़ियों पर 10 प्रतिशत एडिशनल इनडायरेक्ट टैक्स लगाया जाता है तो कार मेकर कंपनियों को गाड़ियों की कीमत बढ़ाना पड़ेगा। इससे उनकी सेल्स पर भी असर पड़ेगा। देश में कमर्शियल व्हीकल डीजल इंजन से ही चलते हैं।

देश में नया पेमेंट मोड 'पे-बाय-कार' लॉन्च हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेजन और मास्टर कार्ड सपोर्टेड कंपनी टोनटैग ने एक नया पेमेंट मोड 'पे-बाय-कार' लॉन्च किया है। इसके जरिए यूजर स्मार्टफोन व क्रेडिट-डेबिट के बिना अपनी कार से ही यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। इसके लिए

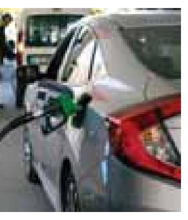

यूजर को अपनी कार के इन्फोटेनमेंट सिस्टम को यूपीआई से लिंक करना होगा। व्हीकल से संबंधित सभी पेमेंट को आसान बनाने के लिए इस पेमेंट मोड को फिलहाल पेट्रोल पंप पर शुरू किया गया है। इसके अलावा कार के फास्टैग का बैलेंस चेक और रिचार्ज भी कर सकते हैं। भारत पेट्रोलियम से साथ पार्टनरशिप में इस सर्विस को टेस्ट किया है। कार के फ्यूल स्टेशन पर पहुंचते ही इन्फोटेनमेंट सिस्टम पर फ्यूल डिस्पेंसर नंबर डिस्प्ले हो जाएगा। ये नंबर एक तरह का कोड है, जिसके जरिए पेमेंट कर सकते हैं। इसके साथ ही कार के इन्फोटेनमेंट सिस्टम से फ्यूल स्टेशन पहुंचने की भी आवाज आएगी। कार में पेट्रोल या डीजल भरवाने के बाद इन्फोटेनमेंट सिस्टम में अमाउंड एंटर कर डिस्पेंसर नंबर पर पेंमेंट कर सकते हैं। पेमेंट होने के बाद इसकी नोटिफिकेश इन्फोटेनमेंट सिस्टम के डिस्प्ले पर दिखेगी, साथ ही वॉइस अलर्ट भी मिलेगा।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

पिता ने हमेशा हमें सपोर्ट किया: करीना

अएक्ट्रेस करीना कपूर खान बॉलीवुड के कपूर खानदान से आती हैं। उनके दादा राज कपूर और परदादा पृथ्वीराज कपूर ने भारतीय में अहम योगदान दिया है। इसके बावजूद कपूर खानदान में एक अनकहा नियम था कि परिवार की महिलाएं फिल्म प्रोफेशन में काम नहीं करेंगी। चाहे वह कपूर खानदान की बेटियां हों या फिर परिवार की बहुएं। अब हाल ही में करीना ने अपने खानदान में रहे इस नियम के बारे में बात की। करीना ने इस बदलाव का श्रेय अपने पिता को दिया। उन्होंने कहा- 'मेरे पिता सबसे दुनिया के सबसे बेहतरीन पिता हैं। वह समय के साथ बदले और मुझे और मेरी बहन को फिल्मों में करियर बनाने मोटिवेट किया। करीना ने माना करिश्मा के लिए यह फैसला कठिन था, क्योंकि वह कपूर परिवार की पहली महिला थीं, जिन्होंने एक्टिंग का फैसला किया था। हालांकि, मेरे पिता कभी भी करिश्मा या मेरे एक्टिंग करने के खिलाफ नहीं थे। उन्होंने हमेशा हमें सपोर्ट किया।

करीना ने पिता को दिया कपूर खानदान में बदलाव का श्रेय

करीना ने आगे कहा- 'आज भी जब वह(रणधीर कपूर) मुझे फोन करते हैं और उन्हें पता चलता है कि मैं शूटिंग कर रही हूं तो वह मुझे काम पर ध्यान देने की सलाह देते हैं। मेरे पिता एक बेहतरीन और खुले विचारों वाले इंसान हैं। वह हमेशा से ही हर चीज में बहुत अच्छे रहे हैं। वह अपने समय से बहुत आगे थे। वो मेरे दोस्त और गाइड भी हैं। कपूर महिलाओं के फिल्म प्रोफेशन में काम ना करने की परम्परा के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा- '1970 के दशक में चीजें अलग थीं, वह समय बिल्कुल अलग था। वास्तव में हमारे परिवार की महिलाओं ने शादी के बाद फिल्मों में काम नहीं किया था। लेकिन मुझे खुशी है कि मेरे पिता समय के साथ आगे बढ़े।'आपको अपने बच्चों के लिए खुद को बदलते रहना होगा। यह जरूरी भी है, आप पुरानी चीजों में ज्यादा दिनों तक बंधे नहीं रह सकते।

'ओम शांति ओम' में बॉलीवुड के 30 सेलेब्स हुए थे शामिल

फराह खान के डायरेक्शन में बनी 'ओम शांति ओम' साल 2007 की सबसे सफल फिल्म थी। बॉक्स ऑफिस पर टोटल 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन करके यह उस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। फिल्म के अलावा इसके एक गाने 'दीवानगी-दीवानगी' ने भी खूब पॉपुलैरिटी बटोरी थी। वजह थी कि इस गाने में बॉलीवुड के कई बड़े कलाकारों ने स्पेशल अपीयरेंस दिया था। एक इंटरव्यू में फराह ने बताया कि वो इस गाने में अमिताभ बच्चन और आमिर खान को भी शामिल करना चाहती थीं पर ऐसा हो नहीं पाया। बात करें फिल्म के गाने 'दीवानगी-दीवानगी' की तो इसमें कुल 30 सेलेब्स ने गेस्ट अपीयरेंस दिया था। 9 मिनट के इस गाने में जीतेंद्र, धर्मेंद्र और रेखा से लेकर गोविंदा, काजोल और सलमान खान जैसे सेलेब्स नजर आए थे। इस गाने को शान, उदित नारायण, श्रेया घोषाल, सुनिधि चौहान और राहुल सक्सेना जैसे सिंगर्स ने अपनी आवाज दी थी। लिरिक्स जावेद अख्तर ने लिखे थे और म्यूजिक विशाल-शेखर ने दिया था। फराह ने बताया कि आमिर इस गाने में क्यों शामिल नहीं हो पाए। फराह बोलीं, 'हमने कई सारे सितारों को बुलाया था जिनमें से कुछ आए और कुछ नहीं। अमित जी इसलिए नहीं आ पाए क्योंकि उसी हफ्ते ऐश्वर्या और अभिषेक की शादी थी। आमिर खान मुझे काफी वक्त तक टालते रहे और फिर अंत में उन्होंने बहुत ही फनी रीजन देते हुए आने से इंकार कर दिया।

नविका बोली- श्रीदेवी में कभी नहीं था एटीट्यूड

जटीवी शो क्योंकि सास मां, बहू बेटी होती है का हिस्सा रहीं अभिनेत्री नविका कोटिया एक समय बाल अभिनेत्री थीं। 10 साल पहले वो दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी के साथ फिल्म इंग्लिश विंग्लिश में नजर आई थीं। पिछले कुछ सालों में नविका ने काफी ट्रांसफॉर्मेशन किया हैं। अभिनेत्री ने वजन घटाने और अपने संघर्षों के बारे में बात की। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपने श्रीदेवी से जुड़ी कुछ यादें भी शेयर की। मैंने और जो श्रीदेवी जी का बेटा बना था, शिवांश कोटिया, हम दोनों ने इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। फिल्म की एक मीटिंग के दौरान, मेकर्स को पता चला की हम दोनों सगे भाई-बहन हैं। वे बोली श्रीदेवी जी का नेचर बहुत अच्छा था। वो इतनी बडी स्टार होने के बावजूद, उनमें बिल्कुल एटीट्यूड नहीं था। वो पूरे सेट का, पूरे क्रू का ध्यान रखा करती थीं। उनके घर से हमारे लिए खाना आता था। उन्हें कितना भी बुखार हो, वो कभी काम से मना नहीं करती थीं।

मुझे याद हैं एक बार मैं यूं ही अपने कजिन के साथ मेडिकल के दुकान पर खड़ी थी और एक बाइक पर बच्चे ने मुझे देखा और कहा- कितनी मोटी दीदी हैं। अब भला उस बच्चे को क्या कहूं?

बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए करना पड़ा स्ट्रगल

सच कहूं तो मैं पूरी लाइफ ही अपने वजन को लेकर स्ट्रगल करती आ रही हूं। बचपन से ही मैं एक चबी किड रही हूं और ये हकीकत भी हैं कि हम जिस इंडस्ट्री में हैं उसमे एक खास रोल के लिए खास लुक होना जरूरी हैं। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट, कभी-कभी चल जाता था क्योंकि उस वक्त मैं पढाई भी कर रही थी। लेकिन जब मैं बड़ी हुई और एक्ट्रेस बनने का फैसला लिया तब एहसास हुआ कि मुझे अपने आपको बदलने की बहुत जरूरत है। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद, मैंने अपने फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन पर फोकस करना शुरू कर दिया। 'इंग्लिश विंग्लिश' के वक्त मैं केवल 11 साल की थी और उस वक्त भी चबी थी। मेकर्स की डिमांड थी कि मैं डाइटीशियन के पास जाऊं जो कि मैंने किया भी। कभी अपने वजन को लेकर बुरे कमेंट्स का सामना करना पड़ा वजन को लेकर मुझे कमेंट्स आते थे।

जेवर चमकाने के नाम पर भेल के रिटायर्ड कर्मचारी से जेवरात ठगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खुद को बताया गुजरात की उजाला कंपनी का कर्मचारी कहा कंपनी के प्रचार के साथ देते हैं डेमो

राजधानी में जेवर चमकाने के ना पर ठगी करने वाला गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। गिरोह के दो सदस्यों ने पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित भरत नगर में भेल के रिटायर्ड कर्मचारी और उनकी पत्नी को झांसे में लेकर जेवरात पार कर दिए। आरोपियों ने बताया था कि वह गुजरात की उजाला कंपनी के कर्मचारी हैं और कंपनी के प्रचार के साथ जेवर और फर्स चमकाने वाले पाउडर का डेमो में भी देते हैं।

पुलिस के अनुसार 80 साल के मधुकर चौधरी ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वे भेल से वर्ष 2000 में रिटायर्ड हो चुके हैं। वे भरत नगर में पत्नी और बेटे रमाकांत चौधरी के साथ रहते हैं। सोमवार सुबह करीब 11 बजे वे अपनी पत्नी सुलभा चौधरी के साथ घर पर थे, जबकि बेटा बाहर काम पर गया था। इसी बीच दो युवक करीब 30 से 35 साल के घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि वह गुजरात की उजाला कंपनी के प्रचार के लिए भोपाल आए हैं। वह कंपनी का पाउडर बेचते हैं। उक्त पाउडर से टाईल्स फर्स साफ होता है। उन्होंने कहा था कि कंपनी की तरफ से फ्री डेमो भी देते हैं। यदि जेवर तथा तांबा, पीतल के बर्तन साफ करने हो तो अभी साफ कर दिखा देंगे।

पहले कराया तांबे का लोटा साफ

युवकों की बातों में आकर मधुकर चौधरी की पत्नी ने तांबे का लोटा साफ कराया। लौटा चमक गया तो उन्होंने चांदी की छोटी गाय भी साफ कराने के लिए उन्हें दे दी। आरोपियों की नजर मधुकर की पत्नी के गले में पहने मंगलसूत्र और अंगुली की अंगूठी पर पड़ गई थी। उन्होंने उसे साफ करने का कहा। चौधरी दंपती तैयार हो गए और मंगलसूत्र समेत अंगूठी उतारकर उन्हें दे दी। युवकों ने मंगलसूत्र व अंगूठी मे पावडर लगाया और कुछ देर पेपर में रखने का कहा। इसके बाद दोनों चले गए। उन्होंने कहा था कि हम 10 से 15 मिनट में लौटकर आएंगे। जाते समय आरोपियों ने एक डायरी में हस्ताक्षर भी कराए थे। हस्ताक्षर होने के बाद एक आरोपी चला गया, जबकि दूसरा खड़ा रहा।

मधुकर को चकमा देकर भागा आरोपी

युवक ने मधुकर की पत्नी से कहा था कि पानी गर्म कर ले आइए। वह पानी गर्म करने अंदर गई। इसी बीच युवक ने मधुकर से कहा कि मैं जेवरात धोकर आता हूं और वह गेट की तरफ चला गया। जब वह गेट के बाहर से अंदर नहीं लौटा तो मधुकर उसे देखने बाहर निकले थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि युवक का जो साथी पहले गया था वह कुछ दूरी पर बाइक लेकर खड़ा है और अभी कुछ देर पहले निकला आरोपी उसकी बाइक पर बैठ रहा है। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही आरोपी वहां से निकल गए। बेटे के घर पहुंचने पर मधुकर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मधुकर ने बताया कि बदमाश उनसे धोखाधड़ी करते हुए 8 ग्राम की अंगूठी और दो तोले का मंगलसूत्र लेकर गए हैं।

तेलंगाना में भी दर्ज हैं मामले-जेवरात व कीमती सामान बरामद

चचेरे भाई-बहन गिरफ्तार, तीन वारदातों का खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार पुलिस ने चोरी और नकबजनी के मामले में सीहोर से चचेरे भाई-बहन को गिरफ्तार किया है। तीनों से कोलार इलाके में हुई तीन वारदातों का खुलासा हुआ, जिसमें करीब 2 लाख रुपये का माल बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कोलार, गुनगा और सीहोर में केस दर्ज है, जबकि उसकी बहन के खिलाफ भोपाल और तेलंगाना में करीब 14 अपराध पहले से दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक फरियादी चंदन सैनी (27) सर्वधर्म सी-सेक्टर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 4 सितंबर को रात करीब आठ बजे वह घर पर ताला लगाकर अपने मामा के घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब आठ बजे लोटे तो दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था और घर में लगी एलईडी टीवी, सोने की एक जोड़ी झुमकी, एक सोनी की अंगूठी, चांदी के 4 सिक्के, एक सैमसंग मोबाईल तथा 18 हजार रुपए नकद गायब थे। पुलिस ने इसमें में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस टीम सीहोर के दोराहा थाने पहुंची और संदेही गोदान सिंह पंवार (40) को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद उसकी झुग्गी की तलाशी लेने पर चोरी के जेवरात बरामद हुए। आगे पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि अपनी चचेरी बहन मनीषा उर्फ डिस्को (40) निवासी आराधना नगर निशातपुरा, हाल निवासी दोराहा सीहोर के साथ मिलकर दो अन्य वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस ने मनीषा को हिरासत में लिया तो उसके पास से सोने-चांदी के जेवरात बरामद हुए। इस प्रकार दोनों चचेरे भाई-बहन से कुल 2 लाख रुपये कीमत का चोरी का माल बरामद किया गया है।

माल के पास वाहनों की रैकी कर चुराने वाले वाहन चोर गिरफ्तार

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के दो स्कूटर और दो बाइक बरामद की है। पुलिस ने उक्त मामले में चोरी के वाहन खरीदने वाले को भी आरोपी बनाया है। तीनों ही आरोपी मंडीदीप रायसेन के हैं और मिसरोद सहित एमपी नगर, मंडीदीप, रायसेन और होशंगाबाद के थाना क्षेत्रों में वारदात को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में हुई चोरी नकबजनी की वारदातों में आरोपियो की तलाश की जा रही थी। इलाके में सीसीटीवी कैमरों को चेक करने पर कुछ संदिग्ध नजर आए। दरअसल, चोर मैपल माल के पास से बाइक चोरी की घटना को अंजाम दे चुके थे और उनके फुटेज मिले। हुलिए के आधार पर पुलिस ने समरधा के पास खड़े दो संदेहियों को हिरासत में लिया था। उनकी पहचान गौरव गौर पिता मनीष गौर, निवासी मंडीदीप रायसेन और आकाश शर्मा पिता अशोक शर्मा, निवासी मंडीदीप, रायसेन के रूप में की गई। दोनों से पूछताछ की गई और उन्होंने बाइक चोरी की घटना स्वीकार ली। आरोपियों ने बताया कि चोरी की बाइक उन्होंने आरिफ शाह उर्फ गोल्डी को बेची थी। पुलिस ने आरोपी आरिफ शाह को मंडीदीप से गिरफ्तार कर लिया।

ऑटो चालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित भौंरी बंगला गांव में आटो चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश उसके भाई ने बीती रात करीब साढ़े 9 बजे फांसी के फंदे पर लटकी देख पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दी। पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार शंकर प्रजापति पिता बाबूलाल प्रजापति (30) गांव भौंरी बंगला में रहता था और आटो चलाता था। उसकी पत्नी और बच्चे मायके में है। पड़ोस में शंकर का भाई राधेश्याम रहता है। राधेश्याम ने पुलिस को बताया कि उसके घर उसकी बुआ आई हुई है। कल शाम से ही भाई नजर नहीं आ रहा था। लिहाजा बुआ ने रात करीब साढ़े 9 बजे कहा कि शंकर को देखकर आओ और घर बुला लो। राधेश्याम शंकर को बुलाने उसके घर पहुंचा तो दरवाजा खुला हुआ था। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि शंकर ने फांसी लगा ली है।

त्योहार के चलते बैठक

भोपाल। कलेक्टर की अध्यक्षता में आगामी त्योहार को देखते हुए शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शासकीय अधिकारियों सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बाइक सवार युवकों को यात्री बस ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी नगर स्थित बोर्ड आफिस चौराहे के पास दिव्यांग व्यक्ति को लिफ्ट देने के लिए एक युवक ने बाइक रोकी तो पीछे से रही तेज रफ्तार यात्री बस ने दोनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों लोग घायल हो गए, जबकि बाइक बुरी तरह से टूट गई। गंभीर रूप से घायल दिव्यांग का इलाज चल रहा है, जबकि युवक को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाली बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक अमन रघुवंशी (31) मधुवन होम्स, 11 मील होशंगाबाद रोड मिसरोद में रहते हैं और वीआईपी रोड स्थित होटल नूर-उस-सबाह में काम करते हैं। सोमवार देर रात वह अपनी मोटर सायकिल से घर लौट रहे थे। रात करीब साढ़े बारह बजे बोर्ड आफिस चौराहे पर एक दिव्यांग व्यक्ति ने लिफ्ट के लिए हाथ दिया तो उन्होंने मदद के लिए अपनी बाइक रोक ली। दिव्यांग व्यक्ति देवीसिंह उनकी बाइक पर बैठ रहे थे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अमन और देवीसिंह उछलकर सड़क पर गिरे, जबकि बाइक टूट गई। अमन को कम चोट आई है थी। उन्होंने एम्बुलेंस की मदद से देवीसिंह को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया। अपना प्राथमिक उपचार कराने के बाद वह थाने पहुंचे और टक्कर मारने वाली बस के चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया।

बाइक ने एक्टिवा सवार व्यापारी को मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर इलाके में बाइक सवार दो युवकों ने स्कूटर सवार व्यवसायी को टक्कर मारकर गिरा दिया। व्यवसायी ने नाराजगी जाहिर की तो दोनों ने उनके साथ मारपीट कर दी और भाग निकले। झगड़े के दौरान व्यवसायी का एक मोबाइल फोन भी गायब हो गया है। पुलिस ने एक्सीडेंट और मारपीट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक राजेश मिश्रा (51) सिंधी कालोनी बैरसिया रोड पर रहते हैं और रेस्टॉरेंट चलाते हैं। बीती 11 सितंबर की रात करीब एक बजे वह स्कूटर से 11 मील से अपने घर लौट रहे थे। टीटी नगर स्थित अपेक्स बैंक तिराहे पर पीछे से आई तेज रफ्तार मोटर सायकिल ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद बाइक सवार दोनों लड़के रुके तो उन्होंने एक्सीडेंट करने पर नाराजगी जाहिर की। इस पर दोनों लड़कों ने गाली-गलौज करते हुए राजेश के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इसी बीच एक परिचित पहुंचे और उन्होंने बीच-बचाव किया। इस दौरान राजेश के दोनों मोबाइल वहीं पर गिर गए। तलाश करने पर एक मोबाइल मिल गया, जबकि दूसरे का कुछ पता नहीं चल पाया।

अज्ञात वाहन ने सड़क पर बैठे मवेशी को रौंदा, मौत, प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित रत्नागिरी तिराहा पर बीती रात आंनद नगर की तरफ से आ रहे अज्ञात वाहन ने सड़क पर बैठे मवेशी को रौंद दिया। करीब बीस फीट तक मवेशी को घसीटने के कारण मवेशी की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने उक्त मामले में विश्व हिंदू परिषद के जिला सह संयोजक की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार प्रशांत पटेल पिता गोपाल सिंह पटेल (31) रत्नागिरी, पिपलानी में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह कपड़ों का व्यवसाय करते हैं और विश्व हिंदू परिषद में जिला सह संयोजक भी है। कल रात करीब सवा 12 बजे के आसपास वह टहलते हुए रत्नागिरी तिराहा तक पहुंच गए थे। इस दौरान हनुमान मंदिर के सामने आनंद नगर से पिपलानी की तरफ जाने वाली सड़क पर उन्होंने सफेद रंग के मवेशी को मृत अवस्था में देखा था। नाक, मुंह और पेट में काफी चोट थी। घटना की शिकायत उन्होंने तत्काल पुलिस को दी और नगर निगम कि गाड़ी से मवेशी को पशु चिकित्सालय पहुंचाया।

मेट्रो एंकर पुलिस चौकी के पास बदमाश ने की मारपीट

आयोग ने दिए पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश, रिपोर्ट भी तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के तलैया थानाक्षेत्र में कुख्यात बदमाश मुख्तार मलिक के बेटे यासीन मलिक की गुडांगर्दी करने के मामले में मप्र मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए पुलिस कमिश्नर को प्रकरण की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही के संबंध में तीन सप्ताह में जवाब भी मांगा है।

आयोग के संज्ञान में आया है कि तलैया चैकी के पास रहने वाले मनसब खान चाय पत्ती के कारोबारी है। बीते रविवार को चौकी के पास यासीन मलिक का मनसब के साथ कार की स्पीड को लेकर कहासुनी हो गई थी। बाद में दोनों के बीच थाने के बाहर ही समझौता हो गया था। किन्तु बीते सोमवार को यासिन मलिक ने मनसब के पिता मशकूर से गाली-गलौच शुरू कर दी और बैसबॉल के डंडे से उनके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया।

ठेकेदार पर जानलेवा हमला

भोपाल। शाहजहांनाबाद इलाके में बहन के घर आए एक ठेकेदार और उसके भाई पर मोहल्ले में रहने वाले दो युवकों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। फरियादी ने मोटर सायकिल से छेड़छाड़ कर रहे युवकों को ऐसा करने से रोका था, जिसको लेकर उनके बीच विवाद हो गया। पुलिस के मुताबिक गांधीनगर निवासी फरहान खान (22) ठेकेदारी करता है। उसकी बहन शाहजहांनाबाद स्थित माडल ग्राउंड के पास रहती है। सोमवार रात फरहान अपने भाई फैजान के साथ बहन से मिलने उसके घर आया था। उन्होंने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। रात करीब पौने दस बजे देखा तो दो युवक बाइक पर बैठे हुए थे और उससे छेड़खानी कर रहे थे। फरहान और फैजान ने बाहर निकलकर दोनों को बाइक से उतने और छेड़छाड़ करने से मना किया तो उनके बीच विवाद हो गया। इस पर आरोपी समर और उसके साथी ने दोनों भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें फैजान को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने फरहान की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

ज्योतिष परामर्श

ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुंडली किसी व्यक्ति के जीवन के सटीक आंकलन का दस्तावेज है। जीवन में सितारों और ग्रहों की चाल के विश्लेषण के माध्यम से करियर, शिक्षा, प्रेम, जीवन के बारे में सटीक अनुमान जानने व सही निर्णय लेने में सक्षमता के लिए संपर्क करें

श्रुति रावत ज्योतिषाचार्य व कुंडली विशेषज्ञ

व्हाट्सएप नं. 7869267010

कॉलिंग नंबर 7415497010

shrutirawat16@gmail.com

परामर्श का समय : दोपहर 3 से 5 बजे तक, शुल्क : 501 रुपए

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022